हल्द्वानी (नैनीताल) एवं देहरादून से एक साथ प्रकाशित

समाचारों को विस्तार से व तत्काल पढ़ने के लिए क्लिक करें
Web:- www.jokhimnews.com
सूचना एवं लोकसम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड में "ए" श्रेणी में सूचीबद्ध

जोखिम

भय भूख एवम् भ्रष्टाचार के खिलाफ संघर्षरत् निर्भीक राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

वर्ष : 16 अंक : 315 | देहरादून रविवार 08 फरवरी 2026 | मूल्य :रू 2 | पृष्ठ : 8

शारदा रिवर फ्रंट से बदलेगी चम्पावत की तस्वीरः सीएम धामी

- टनकपुर में विकास की नई धारा, मुख्यमंत्री ने रखी घ्300+ करोड़ योजनाओं की आधारशिला

- मुख्यमंत्री द्वारा शारदा घाट शिलान्यास, टनकपुर को मिलेगी नई पहचान

चम्पावत संवाददाता. मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जनपद चम्पावत के समग्र विकास हेतु घ्300 करोड़ से अधिक लागत की विभिन्न महत्वपूर्ण विकास योजनाओं का शिलान्यास एवं भूमि पूजन किया। मुख्यमंत्री द्वारा शिलान्यासित प्रमुख कार्यों में जनपद चम्पावत के अंतर्गत शारदा घाट पुनर्विकास (प्रथम चरण) कार्य घ्10,735 लाख, सिटी ड्रेनेज प्लान (प्रथम चरण) घ्6,649 लाख, नायरख्र खेरा क्षेत्र में डिजास्टर रेजिलिएन्स हेतु इकोलॉजिकल कॉरिडोर विकास घ्8,523 लाख, टनकपुर स्थित ग्राम पंचायत बस्तिया में टनकपुरख्रअस्कोट सीसी मार्ग पुनर्निर्माण घ्15 लाख, चम्पावतख्रखेतीखान मोटर मार्ग (एसएचख्र 64) के अंतर्गत सुयालखर्कख्रपुनावे मिलान मार्ग का सुधारीकरण घ्320 लाख, माँ पूर्णागिरि घाटी (चूका क्षेत्र) में हेलीपैड निर्माण घ्187 लाख, विकासखंड पाटी में धूनाघाटख्रबसौट मोटर मार्ग नवनिर्माण घ्83 लाख, लोहाघाट में कामज्यूलाख्र भनारख्रबैषाड़ी मोटर मार्ग सुधारीकरण घ्666.84 लाख, पाटी विकासखंड अंतर्गत सांगोख्रधिंघारूकोटख्रबांस बसवाड़ी मोटर मार्ग पुनर्निर्माण घ्89.36 लाख, टनकपुर के ग्राम बेलखेत में कवेराला नदी से बाढ़ सुरक्षा कार्य घ्125.96 लाख, तहसील पूर्णागिरि के ग्राम बमनपुरी में ह्युड्डी नदी से हो रहे भू-कटाव की रोकथाम हेतु सुरक्षा कार्य घ्54.63 लाख, स्वामी विवेकानंद राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय लोहाघाट में परीक्षा हॉल निर्माण घ्672.11 लाख, सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय के चम्पावत परिसर में केंद्रीय पुस्तकालय, चहारदीवारी एवं मिनी स्टेडियम निर्माण घ्2,045.78 लाख, कस्तूरबा गांधी छात्रावास टनकपुर का विस्तारीकरण घ्384.50 लाख तथा जिला कमांडेंट होमगार्ड्स कार्यालय के अनावासीय भवन का निर्माण घ्224.71 लाख शामिल हैं। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि शारदा रिवर फ्रंट (शारदा कॉरिडोर) परियोजना क्षेत्र के सर्वांगीण विकास का आधार बनेगी और चम्पावत को पर्यटन, आस्था तथा आधुनिक शहरी सुविधाओं के मानचित्र पर नई पहचान दिलाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन योजनाओं से शिक्षा, सड़क, पर्यटन, आपदा प्रबंधन, शहरी विकास तथा आधारभूत संरचना को सुदृढ़ बनाया जाएगा। इससे सीमांत क्षेत्र में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे, स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी तथा युवाओं, किसानों, विद्यार्थियों और पर्यटकों को प्रत्यक्ष लाभ प्राप्त होगा। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि चम्पावत आस्था, संस्कृति और इतिहास से समृद्ध भूमि है। यहाँ की आध्यात्मिक चेतना जीवन को दिशा देने वाली शक्ति है। माँ शारदा ज्ञान, विद्या और संस्कार की प्रतीक हैं और उनके पावन धाम के घाटों का विकास करना सौभाग्य का विषय है। उन्होंने कहा कि टनकपुर की धरती पर आते ही उन्हें विशेष ऊर्जा का अनुभव होता है। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि विकास और सांस्कृतिक विरासत के संतुलन से ही उत्तराखण्ड की पहचान मजबूत होगी और चम्पावत आने वाले समय में एक आदर्श, सशक्त एवं आत्मनिर्भर जनपद के रूप में स्थापित होगा। उन्होंने सभी नागरिकों से जनभागीदारी, सांस्कृतिक संरक्षण और विकास के संकल्प को मजबूत करने का आह्वान किया।

उत्तराखंड में टैक्स फ्री हुई फिल्म 'गोदान'

देहरादून संवाददाता. मुख्यमंत्री धामी ने किसान परंपरा, ग्रामीण जीवन और गोवंश के महत्व पर आधारित फिल्म 'गोदान' को उत्तराखंड में टैक्स फ्री करने के निर्देश दिए हैं। यह फिल्म 6 फरवरी को देशभर के सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है और समाज को भारतीय संस्कृति व परंपराओं से जोड़ने का संदेश देती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि गाय केवल धर्म और आस्था का विषय नहीं है, बल्कि भारतीय संस्कृति, समाज और ग्रामीण अर्थव्यवस्था का अभिन्न अंग है।

सरकार पक्षकार बनकर जनता के लिए लड़े लड़ाईः हरीश रावत

ऋषिकेश संवाददाता. वन भूमि सर्वे के खिलाफ कई दिनों से धरना दे रहे क्षेत्रवासियों को कांग्रेस की ओर से शनिवार को पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने समर्थन दिया। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर जनता सर्वोच्च न्यायालय से ना लड़े, बल्कि सरकार की ओर से इस लड़ाई को पक्षकार बनकर मजबूती से लड़ना चाहिए। जनता इसीलिए सरकार चुनती है और यह सरकार का कर्तव्य और नैतिक जिम्मेदारी है। शनिवार को बापूग्राम स्थित भूमियाल देवता मंदिर में वन भूमि सर्वे के खिलाफ क्षेत्रवासियों का धरना जारी रहा। पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने धरने में पहुंचकर अपना समर्थन दिया। उन्होंने मामले को लेकर सीएस से फोन पर बात की और कहा कि शीघ्र बापूग्राम का कोई ठोस रास्ता निकालें। उन्होंने कहा कि वे स्वयं इस संदर्भ में मुख्यमंत्री से बात करेंगे। उन्होंने सरकार से मांग की कि कैबिनेट शीघ्र बापूग्राम के हित में फैसला ले और अगर नहीं हो पा रहा है तो मुख्यमंत्री विशेष सत्र बुलाकर बापूग्राम के लोगों की संपत्ति बचाने का काम करें। सरकार के माध्यम से इस लड़ाई को माननीय सर्वोच्च न्यायालय में लड़ा जाय। इस दौरान बापूग्राम बचाओ समिति के सदस्यों ने पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत को ज्ञापन सौंपकर विपक्ष द्वारा इस मुद्दे को विधानसभा के पटल पर और लोकसभा के पटल पर उठवाने की मांग की। मौके पर पूर्व कैबिनेट मंत्री पार्षद सत्य कपरुवान, विजयलक्ष्मी, ममता, अमित जुगलान, दिनेश शर्मा आदि उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार...

सेंट्रल बैंक ने 42 शाखाओं में लगाया मेगा एमएसएमई कैंप

देहरादून संवाददाता. सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, देहरादून क्षेत्र में सूक्ष्म एवं लघु उद्योग को बढ़ावा देने के लिए एमएसएमई ऋण आउटरीच शिविर का आयोजन किया। यह आयोजन क्षेत्र की सभी 42 शाखाओं में एक साथ किया गया, जिसका मुख्य कार्यक्रम एरोमेटिक प्लांट सेलाकुई में संपन्न हुआ। इस विशेष शिविर में क्षेत्रीय प्रमुख रामप्रमोद आनंद और मुख्य अतिथि के रूप में एरोमेटिक प्लांट के निदेशक डॉ. निपेंद्र चौहान उपस्थित रहे।

वेतन भुगतान की मांग को लेकर धरना जारी

देहरादून संवाददाता.रोडवेज कर्मचारी संयुक्त परिषद शाखा ग्रामीण डिपो के कर्मचारियों का एक घंटे का कार्य बहिष्कार दूसरे दिन भी जारी रहा। आक्रोशित कर्मचारियों ने आईएसबीटी में नारेबाजी कर प्रदर्शन किया। चेताया कि यदि जल्द दो महीने के लंबित वेतन का भुगतान नहीं किया गया तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा। धरने पर शाखा अध्यक्ष अतुल सिंह, शाखा मंत्री विक्रांत खत्री, दिनेश सती, महेश कुमार, राजपाल सिंह और गौरव बडोनी मौजूद रहे।

उत्तराखंड के स्पेशल एथलीटों ने 16 पदक जीतकर बढ़ाया सूबे का मान

देहरादून संवाददाता. स्पेशल ओलंपिक भारत द्वारा महर्षि दयानंद यूनिवर्सिटी रोहतक में 2 से 7 फरवरी तक आयोजित राष्ट्रीय एथलेटिक मीट में उत्तराखंड के स्पेशल एथलीटों ने कुल 16 पदक अपने नाम किए। 11 सदस्यीय दल में 7 पुरुष व 4 महिला एथलीटों ने 4 स्वर्ण, 5 रजत और 7 कांस्य पदक जीते हैं।

हिन्दी दैनिक जोखिम

सम्पादकीय

नई दवाओं के विकास

अनुसंधान एवं परीक्षण की गतिविधियों को नौकरशाही सुस्ती से मुक्त करना सही दिशा में कदम है। लेकिन इसे सुनिश्चित करना भी जरूरी होगा कि दवा कंपनियां नियमों में दी जा रही रियायत का बेजा फायदा ना उठाएं।भारत सरकार ने नई दवाओं के विकास के लिए हरी झंडी देने के नियम आसान बनाए हैं। इसके लिए नई औषधि एवं क्लीनिकल ट्रायल के 2019 में बने नियमों में बदलाव किया गया है। मकसद नई दवाओं के परीक्षण में लगने वाले समय को घटाना और संबंधित अनुसंधान को प्रोत्साहित करना है। पहले ऐसे कार्यों के लिए केंद्रीय औषधि प्रमाणन नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) से लाइसेंस हासिल करना अनिवार्य था। अब कंपनियां कुछ श्रेणियों की दवाओं को छोड़कर बाकी सभी मामलों में सीडीएससीओ को महज ऑनलाइन सूचना देकर परीक्षण शुरू कर सकेंगी। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा है कि इस बदलाव से कम-से-कम 90 दिन की बचत होगी।दवा कंपनियां लंबे समय से ऐसे बदलाव की मांग कर रही थीं। विनियमन प्रक्रिया की धीमी गति को वे अपने लिए बड़ी रुकावट मानती रही हैं। अतः अनुसंधान एवं परीक्षण की गतिविधियों को नौकरशाही सुस्ती से मुक्त करना सही दिशा में कदम है। लेकिन इसे सुनिश्चित करना भी जरूरी होगा कि कंपनियां नियमों में ढीलेपन का बेजा फायदा ना उठाएं। हालांकि भारतीय दवा उद्योग की दुनिया में ऊंची साख है, लेकिन हाल के वर्षों में कंपनियों द्वारा विनियमन प्रक्रिया में ढिलाई का लाभ उठाने के कई मामलों सामने आए हैं। कफ सिरप जैसी दवाओं से मिलावट की घटनाओं से भारतीय औषधि उद्योग पर कलंक लगा है। आम धारणा है कि भारत में निगरानी की व्यवस्था पश्चिमी देशों में मौजूद विनियम से कमजोर है।इसी कारण भारत में बनी जेनरिक दवाओं को ब्रांडेड दवाओं से अक्सर कमतर समझा जाता है। इसके बावजूद भारत में बनी दवाओं और वैक्सीन का दुनिया में बहुत बड़ा बाजार है, तो उसकी वजह इनका किफायती होना है। दवा उत्पादन के लिहाज से भारत दुनिया में तीसरे और मूल्य के लिहाज से 14वें स्थान पर आता है। देश में तीन हजार से ज्यादा दवा कंपनियां और साढ़े दस हजार फैक्टरियां हैं। लगभग 60 जेनरिक ब्रांड यहां उत्पादित होते हैं। इस कारोबार ने दशकों के दरम्यान इतना विशाल आकार ग्रहण किया है, तो उसमें विश्वसनीयता एक निर्णायक पहलू रही है। नए बदलावों के साथ इस पर कोई समझौता नहीं हो, इसे अवश्य सुनिश्चित करना होगा।

यूरोप का ट्रंप के आगे खड़ा होना महत्वपूर्ण

हरिशंकर व्यास

लग नहीं रहा था कि यूरोपीय संघ, ब्रिटेन के नेता डोनाल्ड ट्रंप से भिड़ेंगे। सोचें, ट्रंप ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत और प्रधानमंत्री मोदी पर कितना खराब बोले हैं लेकिन ट्रंप को झूठा करार देने का भारत सरकार ने एक वाक्य नहीं बोला। ट्रंप के 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने पर भी भारत का जवाबी टैरिफ नहीं है। फिर वेनेजुएला के राष्ट्रपति को अगुआ करवाने की ट्रंप की कार्रवाई से अलग दुनिया सहमी हुई थी। तभी ग्रीनलैंड को लेकर यूरोपीय नेता की हल्की आनाकानी हुई तो ट्रंप ने अपने अंहकार में फटाक ब्रिटेन, यूरोपीय संघ पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा कर दी।

और तब यूरोपीय नेता जैसे खड़े हुए तो सभी चौंके। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री स्टार्मर, फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों, इटली की प्रधानमंत्री मेलोनी, जर्मनी के चासंलर शोल्ज से लेकर डेनमार्क, नार्वे, यूरोपीय संघ की प्रमुख उर्सुला वॉन डेर लेयेन और यूरोपीय परिषद् के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा सभी ने ट्रंप को दो टूक जवाब दिया। घोर ट्रंप समर्थक मेलोनी का वाक्य था कि श्ग्रीनलैंड कोई सौदे की वस्तु नहीं है। संप्रभुता पर बातचीत नहीं हो सकती्। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस से, फिर संसद में साफ कहा कि हम ग्रीनलैंड की संप्रभुता के समर्थक हैं और अमेरिका का ऐसे टैक्स लगाना पूरी तरह गलत है। फ्रांस के मैक्रों, यूरोपीय परिषद् के प्रमुख एंटोनियो कोस्टा और जर्मनी के शोल्ज (सर्वाधिक बेबाक) के वाक्य ज्यादा मुखर थे। जैसे हम किसी भी तरह की धमकी के आगे नहीं झुकेंगेख्र न यूक्रेन पर, न ग्रीनलैंड पर। नतीजतन सोशल मीडिया पर अमेरिकी झंडा पकड़े ट्रंप के ग्रीनलैंड की और बढ़ने वाले पोस्ट के बाद दावोस में ट्रंप का रंग बदला हुआ था। तभी उन्होंने दावोस में कहा कि सैनिक बल से ग्रीनलैंड नहीं कब्जाएंगे। फिर उन्होंने यूरोपीय देशों पर नए टैरिफ का फैसला भी वापिस लिया।

मगर यूरोपीय देश इससे संतुष्ट नहीं हुए। यूरोपीय संघ की पूर्व निर्धारित आपातकालीन बैठक हुई। बैठक बाद कहा गया, ष्यूरोपीय संघ अपनी रक्षा करेगाख्र अपने सदस्य देशों की, अपने नागरिकों की और अपनी कंपनियों कीष ज्ड्रेनमार्क और ग्रीनलैंड को यूरोपीय संघ का पूर्ण समर्थन प्राप्त है, और उनके भविष्य से जुड़े मामलों पर निर्णय लेने का अधिकार केवल उन्हीं के पास है।ज् यह अंतरराष्ट्रीय कानून, क्षेत्रीय अखंडता और राष्ट्रीय संप्रभुता के उन सिद्धांतों के प्रति हमारी दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जो यूरोप के लिए ही नहीं, बल्कि पूरी अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए अनिवार्य हैंष्ये वाक्य मामूली नहीं हैं। इसलिए क्योंकि ट्रंप अपनी सनक में दूसरे महायुद्ध के बाद बनी विश्व व्यवस्था को बदल, जिसकी लाठी उसकी भैंस की व्यवस्था बनवा रहे हैं। ऐसा होना खतरनाक है। आखिर ग्रीनलैंड को ट्रंप ने इस तरह कब्जाया तो चीन के शी जिनपिंग को ताइवान या अरूणाचल प्रदेश कब्जाने में भला कौन रोक सकेगा या पुतिन क्यों नहीं यूक्रेन के बाद बाल्टिक देशों पर कब्जे के लिए प्रेरित होंगे

तभी यूरोप का ट्रंप के आगे खड़ा होना शेष विश्व के लिए महत्वपूर्ण है। यों ट्रंप प्रशासन रूकेगा नहीं। वह ध्यान बंटाने के लिए क्यूबा, ईरान की ओर बढ़ सकता है। बावजूद इसके यूरोपीय देशों ने रास्ता दिखाया है। जर्मनी, फ्रांस और ब्रिटेन, यूरोप में समझ बन गई है कि उन्हें वह महाशक्ति बनना है जो बिना अमेरिकी साथ के भी रूस, चीन के आगे खड़े हो सके। ट्रंप की रीति-नीति ने ब्रिटेन, यूरोपीय संघ, कनाडा, जापान, ऑस्ट्रेलिया सभी को जगाया है।

विकसित भारत के अग्रदूतों के भविष्य को संवारना

इस वर्ष परीक्षा पे चर्चा का आयोजन भारत की शिक्षा यात्रा में शांत लेकिन निर्णायक परिवर्तन को रेखांकित करता है। माननीय प्रधानमंत्री के नेतृत्व में परिकल्पित यह पहल, जो 2018 में एक एकल वार्षिक संवाद के रूप में प्रारंभ हुई थी, आज स्वाभाविक रूप से एक जन आंदोलन का रूप ले चुकी है। अब यह एक राष्ट्रव्यापी सामूहिक प्रयास बन गई है, जिसमें विद्यार्थियों के समग्र कल्याण को केंद्र में रखा गया है और माता-पिता व शिक्षक इस साझा उत्तरदायित्व के सक्रिय सहभागी हैं।इस वर्ष की सहभागिता का पैमाना इस पहल की गहराई को दर्शाता है। 4.5 करोड़ से अधिक पंजीकरणों के साथ परीक्षा पे चर्चा, पूर्व गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड को पीछे छोड़ते हुए अब जन-संपर्क से आगे बढ़कर सामूहिक स्वामित्व की एक महत्वपूर्ण अवस्था में प्रवेश कर चुकी है। यह अभूतपूर्व सहभागिता सक्षम वातावरण निर्मित करने के सामूहिक संकल्प को प्रतिबिंबित करती है, जहाँ प्रत्येक बच्चा सीख सके, विकसित हो सके और सही मायनों में फल-फूल सके।प्रधानमंत्री के प्रेरक नेतृत्व का प्रदर्शनप्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का शिक्षा, अध्ययन और परीक्षा से जुड़े तनाव जैसे विषयों पर विद्यार्थियों के साथ संवाद सहानुभूति, व्यवहारिकता और प्रेरक नेतृत्व का विशिष्ट समन्वय प्रस्तुत करता है। सरलता, अनुशासन, आशावाद और मानव क्षमता में गहरी आस्था से परिपूर्ण उनके व्यक्तित्व ने लाखों बच्चों के मन पर गहरा और स्थायी प्रभाव अंकित किया है। औपचारिक प्रोटोकॉल की जटिलताओं से परे जाकर विद्यार्थियों से मार्गदर्शक, मेंटर और शुभचिंतक के रूप में जुड़ने की सहज क्षमता प्रधानमंत्री को विशिष्ट बनाती है। उनकी संवादात्मक, कथात्मक और आत्मीय शैली विद्यार्थियों को यह अनुभव कराती है कि उनकी बातें सुनी और समझी जा रही हैं। वे गर्मजोशी, हास्य और प्रामाणिकता के साथ संवाद करते हैं तथा अक्सर अपने जीवन के अनुभवों से उदाहरण लेकर धैर्य, एकाग्रता और आत्मबल जैसे व्यापक जीवन मूल्यों को सरलता से प्रस्तुत करते हैं। यह व्यक्तिगत स्पर्श परीक्षा से जुड़े दबावों को सहज बनाते हुए आश्वस्त और सकारात्मक वातावरण का निर्माण करता है, जहाँ विद्यार्थी आत्मविश्वास के साथ सीखने और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित होते हैं।प्रत्येक बच्चे की विशिष्टता की पहचानइस प्रयास के केंद्र में एक सरल किंतु अत्यंत सशक्त सत्य निहित है: हर बच्चा विशिष्ट है। प्रत्येक बच्चा अलग तरह से सीखता है, अपनी गति से आगे बढ़ता है और अपने भीतर ऐसी प्रतिभाएँ समेटे होता है, जिन्हें अंकों या रैंक तक सीमित नहीं रखा जा सकता।परीक्षाएँ अपनी प्रकृति के अनुसार, बच्चे की क्षमता के सीमित पहलू को ही दर्शाती हैं। समग्र व्यक्तित्व के निर्माण के माध्यम से ही उसकी वास्तविक सृजनात्मकता और उत्कृष्टता का विकास होता है। कोई बच्चा गणित में उत्कृष्टता दिखा सकता है, कोई कलात्मक कल्पना में निपुण हो सकता है, और कोई करुणा के साथ संवेदनशील चिकित्सक बनने की क्षमता रखता है। ये भिन्नताएँ किसी तरह की कमी नहीं हैं; बल्कि यही विविध, सशक्त और नवोन्मेषी समाज की आधारशिला हैं।राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के दर्शन का प्रतिबिंबयह दर्शन राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के मूल में निहित है। इसके ढाँचे के अंतर्गत शिक्षण-पद्धतियों, पाठ्यक्रमों और मूल्यांकन प्रणालियों को एक वास्तविक बाल-केंद्रित दृष्टिकोण के अनुरूप पुनर्गठित किया जा रहा है, जहाँ शैक्षणिक अध्ययन के साथ-साथ सृजनात्मकता, आलोचनात्मक चिंतन, भावनात्मक बुद्धिमत्ता, शारीरिक स्वास्थ्य और नैतिक मूल्यों के संवर्धन पर विशेष बल दिया गया है। प्रारंभिक वर्षों में खेल-आधारित शिक्षण पर इसका जोर इस तथ्य को स्वीकार करता है कि जिज्ञासा और आनंद ही आजीवन सीखने की सबसे सशक्त आधारशिलाएँ हैं।शिक्षा के आरंभिक वर्षों में मातृभाषा में शिक्षा देने का उद्देश्य बच्चों को अवधारणाओं की बेहतर समझ प्रदान करना है, जबकि बहुभाषिकता पर दिया गया बल ऐसी पीढ़ी के निर्माण की परिकल्पना करता है जो अपनी सांस्कृतिक और भाषायी जड़ों के प्रति विश्वास रखती हो तथा भारतीय ज्ञान परंपराओं को वैश्विक मंच पर आगे बढ़ाने में सक्षम हो।मूल्यांकन संबंधी सुधार भी इसी उद्देश्य को प्रतिबिंबित करते हैं। पहली बार कक्षा 10 की बोर्ड परीक्षाएँ अब वर्ष में दो बार आयोजित की जाएँगी, जिससे विद्यार्थियों को अपने प्रदर्शन में सुधार के लिए अधिक लचीलापन मिलेगा और उच्च-दबाव वाली एकल परीक्षा से जुड़ा तनाव कम होगा। 360-डिग्री समग्र प्रगति कार्ड लागू किए गए हैं, जो केवल बच्चे की शैक्षणिक उपलब्धियों का ही आकलन नहीं करते, बल्कि उसके सामाजिक-भावनात्मक और शारीरिक विकास को भी समग्र रूप से दर्ज करते हैं। यह स्वीकार करते हुए कि तंदुरुस्ती सीखने का अभिन्न अंग है, प्रत्येक सीबीएसई विद्यालय में सामाजिक-भावनात्मक परामर्शदाताओं की नियुक्ति अनिवार्य की गई है, जो विद्यार्थियों को शैक्षणिक और भावनात्मक तनाव के प्रबंधन में निरंतर सहयोग प्रदान करेंगे। अंत में, हमारे समक्ष उत्तरदायित्व स्पष्ट हैख्रबच्चों को किसी एक साँचे में ढलने के लिए विवश नहीं करना चाहिए, बल्कि प्रत्येक बच्चे की विशिष्ट क्षमताओं को पहचानना, उनका समर्थन करना और उन्हें सुदृढ़ बनाना चाहिए।

हिन्दी दैनिक जोखिम

संक्षिप्त समाचार...

गन्ना वाहन की टक्कर से युवक की मौत

रुड़की संवाददाता. एक युवक को शुक्रवार की देर रात एक अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। थ्ससे उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। सूचना पाकर मौके पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने मृतक के परिवार वालों को जानकारी दी और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। युवक की मौत के बाद परिवार में मातम पसर गया है। लक्सर कोतवाली के एसएसआई लोकपाल परमार ने बताया कि लक्सर पुरकाजी नेशनल हाईवे मार्ग पर अशोक पुत्र सुक्का रात्रि लगभग साढ़े ग्यारह बजे बाइक से जा रहा था। लेकिन इसी बीच गन्ने से भरे एक अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। इस बीच रास्ते से गुजर रहे राहगीर जब तक उसकी अस्पताल पहुंचाते इससे पहले हीं उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

गंगनहर में मांस फेंकने का आरोप, बजरंग दल ने दिया ज्ञापन

रुड़की संवाददाता. बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने शनिवार को जेएम दीपक राम चन्द्र शेट से मिलकर कुछ लोगों पर जान बूझकर पशुओं का मांस फेंकने का आरोप लगाया। उन्होंने दोषी लोगों का पता लगाकर उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि गंगनहर के घाट केवल घूमने का स्थान नहीं है। इन घाटों से लोगों की धार्मिक भावनाएं जुड़ी हुई हैं। यहां पर प्रतिदिन गंगनहर घाट पर गंगा आरती भी की जाती है। साथ ही गुरु रविदास और महर्षि वाल्मीकि घाट भी है। कहा कि कुछ लोग शहर का सौहार्द बिगाड़ना चाहते हैं। इससे लोगों की आस्था को ठेस पहुंच रही है।

स्कूल के खेल शिक्षक पर कक्षा एक के छात्र से दुष्कर्म करने का आरोप

रुड़की संवाददाता. क्षेत्र के एक स्कूल में शिक्षक ने आठ वर्षीय छात्र से कथित तौर पर दुष्कर्म किया। पुलिस ने पीड़ित छात्र का मेडिकल कराकर आरोपी खेल शिक्षक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस आरोपी शिक्षक की तलाश में दबिश दे रही है। पुलिस को दी गई तहरीर के मुताबिक एक गांव निवासी छात्र एक स्कूल में कक्षा एक में पढ़ता है। प्रतिदिन की तरह से वह शुक्रवार को भी स्कूल गया था। दोपहर में बच्चा जब स्कूल से वापस लौटा, तो वह गुमसुम था। उसकी मम्मी ने जब उससे पूछा तो बच्चे ने बताया कि स्कूल के खेल शिक्षक ने उसके साथ गलत काम किया है। मां ने यह बात अपने पति को बताई। इस पर पिता ने झबरेड़ा थाना पुलिस को पूरी घटना बताई।

फर्जी दस्तावेजों के आधार पर हड़फ ली किसान की 40 लाख रुपए की जमीन

रुड़की संवाददाता. निरंजनपुर गांव के एक ग्रामीण की जमीन कुछ लोगों ने फर्जी दस्तावेज तैयार कर अपने नाम करा ली। तहसील से खसरा खतौनी की नकल निकलवाने गए ग्रामीण को इसकी जानकारी हुई। ग्रामीण ने मामले की शिकायत अधिकारियों से की लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। अब कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने तीन महिला समेत छह लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। कोतवाली पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार लक्सर कोतवाली क्षेत्र के निरंजनपुर गांव निवासी ब्रह्मपाल पुत्र शादीराम ने कोर्ट में प्रार्थना पत्र देकर बताया था कि उसकी गांव में खेती की जमीन है लेकिन गांव के ही एक व्यक्ति ने कुछ लोगों के साथ फर्जी दस्तावेज तैयार कर उसकी लगभग 40 लाख रुपये कीमत की साढ़े दस बीघा जमीन अपने नाम करा ली।

गन्ना क्रय केंद्र दूसरे मिल को आवंटित करने पर भारतीय किसान संघ ने जताई नाराजगी

रुड़की संवाददाता. भारतीय किसान संघ के पदाधिकारी ने जनपद की चीनी मिलों के द्वारा एक दूसरे मिल को गन्ना क्रय केंद्र आवंटित किए जाने पर गहरी नाराजगी प्रकट की है। उन्होंने इनमें संशोधन नहीं करने पर गन्ना समिति पर धरना देने की चेतावनी दी है। भारतीय किसान संघ के पदाधिकारी ने गन्ना विकास समिति के विशेष सचिव सूरजभान सिंह को पत्र देकर बताया कि जनपद में सभी मिले संचालित हो रही हैं। लेकिन चीनी मिलों द्वारा आपस में सहमति कर एक दूसरे मिल कों गन्ना क्रय केंद्र दूसरे मिल को सौंप दिए गए हैं। जो पूरी तरह से गलत है। उनका कहना था कि गन्ना सुरक्षण की बैठक में भी जब क्रय केंद्र मिल को जारी कर दिए गए थे, तो उसके बाद एक दूसरे मिल कों गन्ना केंद्र अन्य मिलो को दिए जाने का क्या कारण है। उनका कहना था कि भारतीय किसान संघ इसका पूरी तरह से विरोध करती है।

कलम को अल्ट्रा टेल रन में मिला फौज के कठिन अनुशासन का फायदा

देहरादून संवाददाता. हाल में ओमान में हुई अल्ट्रा रन के विश्व विजेता एथलीट नायक कलम सिंह(सेनि.)ने शनिवार को उत्तरांचल प्रेस क्लब के तत्वावधान में प्रेस से मिलिए कार्यक्रम में प्रतिभाग किया और दौड़ को लेकर अपने अनुभव साझा किए। कलम ने बताया कि बचपन में पहाड़ी रास्तों पर दौड़ने और फौज में कठिन परिश्रम और अनुशासित होने का ही उन्हें अल्ट्रा टेल रन में भरपूर फायदा मिला है। आपको बता दें कि 11 से 13 दिसंबर तक आयोजित इस अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में 68 देशों के 4500 प्रतिभागी शामिल हुए थे, जिनमें कलम सिंह बिष्ट पहले स्थान पर रहे। बतौर कलम सिंह उन्होंने 120 किमी की यह अल्ट्रा टेल रन 18 घंटे 18 मिनट में यह रेस पूरी की। यह उनका पहला अंतरराष्ट्रीय इवेंट था, जिसमें उन्होंने गोल्ड मेडल जीता। उन्होंने इसका श्रेय अपने पिता स्व. जय सिंह बिष्ट और माता कमला देवी को दिया। कमल ने बताया कि गरीबी और संसाधनों के अभाव के बीच मेहनत कर वह फौज में भर्ती हुए। जिसके बाद वह नायक पद से सेवानिवृत्त हुए। इस बीच लगातार मैराथन समेत अन्य प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग करते रहे। उन्होंने कई जगह मेडल जीते हैं, लेकिन नौकरी समय वह इस पर ज्यादा फोकस नहीं कर पाए। उन्होंने बताया कि दौड़ में सबसे कठिन अल्ट्रा टेल होती है, जो पहाड़ी रास्तों यानी कि ऊबड़ खाबड़ रास्तों पर होती है। यह 42 किमी से अधिक और पहाड़ी रूट पर होती है। नायक कलम सिंह बिष्ट ने बताया कि वह मूल रूप से उत्तराखंड में चमोली जिले के देवाल स्थित मुंदोली के रहने वाले हैं। उत्तराखंड में युवाओं को कर रहे तैयार कलम सिंह ने बताया कि, करीब तीन साल पहले उन्होंने मुंदोली रेडिस क्लब का गठन किया। जिसके माध्यम से वह उत्तराखंड के युवाओं को एथलेटिक्स के लिए तैयार करते हैं। इसके लिए वह गांव-गांव जाकर एक सप्ताह का शिविर लगाकर बच्चों का चयन करते हैं। इस समय करीब 370 युवा उनसे जुड़े हैं। इनमें 20 से 25 खिलाड़ी आने वाले समय में राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में मेडल जीतने को तैयार हैं, जबकि 2 से 3 खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय स्तर के लिए तैयार हैं। इसके पीछे उनका मकसद युवकों को नशे और मोबाइल की लत से दूर रखना भी है। इस दौरान कई पत्रकारों ने नायक कलम सिंह बिष्ट से सवाल भी किए, जिनका बिष्ट ने बड़ी सरलता से उत्तर देकर उनकी जिज्ञासा को शांत किया। इस मौके पर प्रेस क्लब अध्यक्ष अजय राणा, महामंत्री योगेश सेमवाल आदि शामिल रहे।

गन्ने का ओवरलोड ट्रक पलटने से बाइक सवार दो युवक घायल

-बिजटी चौक पर ट्रक पलटने मचा कोहराम।

-पुलिस, स्थानीय लोगों की मदद से एक घंटे में बाहर निकाला जा सका दबे युवकों को

सितारगंज, संवाददाता। हाइवे में बिजटी चौक पर ओवर लोड लोड गन्ने का ट्रक पलट गया। गाड़ी के नीचे वाहन सवार दबे होने की सूचना से हड़कम्प मच गया। पुलिस प्रशासन व क्षेत्र के सैकड़ों लोगों के मदद से गन्ने के नीचे बाइक सवार दो युवकों को घायलावस्था में बाहर निकालकर निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया।शनिवार को अपराह्न करीब तीन बजे खटीमा मार्ग की ओर से गन्ने का ओवरलोड ट्रक बिजटी चौक की ओर आ रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बिजटी चौक से पहले ट्रक का पीछे का एक टायर फट गया। लेकिन चालक ट्रक को चलाते रहा। अत्यधिक ओवरलोड होने के कारण बीच चौराहे पर दूसरा टायर भी फटने से ट्रक अंसतुलित होकर बजटी मार्ग की ओर जाकर पलट गया। इससे गन्ना सड़क पर गिर गया। मौके पर मौजूद लोगों ने ट्रक व गन्ने के नीचे वाहनों के दबने का आशंका हुई। सूचना मिलते ही कोतवाल सुंदरम शर्मा समेत पुलिस टीम मौके पर पहुंचे। इस दौरान जेसीबी मशीनों व क्षेत्र के सैकड़ों लोगों ने गन्ना हटाना शुरू किया। इस दौरान हाइड्रा मशीनों से ट्रक का हटाया गया। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद गन्ने के नीचे दबे दो युवकों को घायलावस्था में बाहर निकला। पालिकाध्यक्ष सुखेदव सिंह, ब्लॉक प्रमुख उपकार सिंह बल समेत क्षेत्र के जनप्रतिनिधि भी बचाव में जुटे रहे। बताया जा रहा है कि बाइक सवार छिटक कर गन्ने के नीचे दब गये।

राजकीय महिला पॉलिटेक्निक तंबाकू मुक्त घोषित, पोस्टर बनाए

देहरादून संवाददाता. राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के तहत शनिवार को राजकीय महिला पॉलिटेक्निक, सुद्धोवाला में जागरूकता कार्यशाला आयोजित की गई। इस दौरान संस्थान द्वारा श्टोबैको फ्री एजुकेशनल इंस्टिट्यूशनश के सभी मानक पूरे करने पर उसे श्तंबाकू मुक्तश घोषित कर प्रशस्ति पत्र सौंपा गया। डॉ. मनोज कुमार शर्मा के निर्देश पर हुई कार्यशाला में मनोवैज्ञानिक डॉ. अनुराधा ने छात्राओं को कोटपा अधिनियम-2003 और तंबाकू की लत के शारीरिक व मानसिक दुष्प्रभावों के बारे में बताया। कार्यक्रम में पोस्टर प्रतियोगिता भी हुई, जिसमें 35 छात्राओं ने हिस्सा लिया और विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। एसीएमओ (एनएचएम) डॉ. बिमलेश जोशी ने बताया कि युवाओं को नशे से बचाने के लिए शिक्षण संस्थानों में यह अभियान चलाया जा रहा है। इस मौके पर प्रधानाचार्य सरिता कटियार, रोमी, रेखा उनियाल और प्रवीण खत्री मौजूद रहे।

दून विवि में भूगर्भ और जलवायु परिवर्तन पर होगा मंथन

देहरादून संवाददाता. दून विश्वविद्यालय में हिमालय ऋषि डॉक्टर नित्यानंद की जन्म जयंती के अवसर पर नौ फरवरी को हिमालय एवं उत्तराखंड से जुड़े विभिन्न विषयों पर आधारित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सुरेखा डंगवाल ने बताया कि विवि के डॉ. नित्यानंद सभागार में कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी करेंगे। उद्घाटन सत्र में डॉक्टर नित्यानंद के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से जुड़े विशेषज्ञ और शिक्षाविद् उनके दर्शन तथा हिमालय और उत्तराखंड को लेकर उनके दृष्टिकोण पर विस्तृत चर्चा करेंगे। कुलपति ने बताया कि उद्घाटन सत्र में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य डॉ. दिनेश, हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल केंद्रीय विश्वविद्यालय के पूर्व आचार्य डॉ. कमलेश कुमार, उत्तरांचल उत्थान परिषद के संरक्षक प्रेम बड़ाकोटी, सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत एवं विधायक विनोद चमोली भी मौजूद रहेंगे।संगोष्ठी में भूगोल, भूगर्भ, हिमालय, जलवायु, पर्यावरण, अर्थिकी, शिक्षा, स्वास्थ्य, संस्कृति, कृषि एवं जल संसाधन जैसे विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा दो दिनों तक मंथन किया जाएगा। उद्घाटन सत्र के दौरान हिमालय संरक्षण के क्षेत्र में कार्य करने वाली दो विभूतियों को मुख्यमंत्री की ओर से सम्मानित किया जाएगा। यह सम्मान पूर्व में जल स्रोत संरक्षण के लिए कार्य करने वाले सच्चिदानंद भारती एवं वृक्षारोपण को संस्कारों से जोड़ने वाले मैती आंदोलन के प्रणेता पद्मश्री कल्याण सिंह को प्रदान किया जा चुका है। प्रो. डंगवाल ने बताया कि उद्घाटन सत्र के पश्चात परिचर्चा सत्र में डॉक्टर नित्यानंद की दृष्टि में हिमालय, जीवन पद्धति, कला, संस्कृति, कृषि, शिक्षा एवं स्वास्थ्य जैसे विषयों पर डॉ. सुभाष कुलश्रेष्ठ, डॉ. विष्णु प्रसाद सेमवाल, डॉ. जनार्दन एवं डॉ. शिवेन कश्यप अपने विचार रखेंगे। इस सत्र की अध्यक्षता प्रोफेसर आर.पी. ममगाई करेंगे तथा सह-अध्यक्ष प्रो. एस.एस. सुथार होंगे। परिचर्चा का संचालन सुप्रसिद्ध भूगर्भ वैज्ञानिक यशपाल सुन्दरियाल करेंगे।

हिन्दी दैनिक जोखिम

रामलीला मैदान, शीशमहल में विराट हिंदू सम्मेलन का आयोजन स्थानीय धर्म प्रेमी एवं सनातनी जनमानस के सहयोग से सम्पन्न किया

हल्द्वानी /सकल सनातन समिति, शीशमहल के तत्वाधान में रामलीला मैदान, शीशमहल में विराट हिंदू सम्मेलन का आयोजन स्थानीय धर्म प्रेमी एवं सनातनी जनमानस के सहयोग से सम्पन्न किया गया जिसमें 1500 से अधिक स्थानीय लोगों ने प्रतिभाग किया और वर्तमान समय में सज्जन शक्ति को एकजुट कर समाज को दिशा देने के लिए आह्वान किया गया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी समारोह के उपलक्ष में पूरे भारत वर्ष में हिन्दू सम्मेलन आयोजित किए जा रहे हैं इसी क्रम में हल्द्वानी के शीशमहल क्षेत्र में हिंदू सम्मेलन का डॉ जोगेंद्र पाल सिंह रौतेला के संयोजकत्व में सफल आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में आर एस एस पश्चिमी उत्तर प्रदेश के क्षेत्रीय सेवा प्रमुख धनीराम जी , मातृ शक्ति के रूप में प्रोफेसर डा चंद्रा जोशी जी, आध्यात्मिक क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले संत श्री सीताराम बाबा जी, अध्यक्ष इस्कॉन हल्द्वानी जय जगदीश प्रभु जी एवं समाज में उल्लेखनीय योगदान करने वाले लोगों को सम्मानित किया गया। इस क्रम में सर्व प्रथम कलश यात्रा का आयोजन पारम्परिक वेश भूषा में 500 महिलाओं ने पूर्ण किया। पारम्परिक रूप से आगंतुकों का स्वागत कार्यक्रम स्थल में तिलक लगाकर किया गया । कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्वलन तथा गणेश वंदना से किया गया। समाज में उत्कृष्ट कार्य करने वाले लोगों एवं सार्वजनिक जीवन में मानक स्थापित करने वाले लोगों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में वक्ता के रूप में बोलते हुए आर एस एस के धनीराम जी ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ संपूर्ण हिन्दू समाज के संगठन के उद्देश्य से 1925 में डॉ हेडगवार जी द्वारा प्रारंभ किया गया।संघ विपरीत परिस्थितियों में कार्य करते हुए अपने इस लक्ष्य की ओर सतत बढ़ रहा है। चाहे 1948 का प्रतिबंध हो या 1975 की इमरजेंसी संघ अडिग खड़ा रहा है उसी का परिणाम है कि आज राम मंदिर निर्माण के रूप में हिन्दू जागरूकता एवं एकता का परिचय हमें देखने को मिला है।यह सदी हिंदुत्व की सदी है । हमें समाज को साथ लेकर भारत को अग्रणी और विकसित राष्ट्र बनाना है जो स्वदेशी विचार और भारतीय संस्कार से ही संभव होगा। डॉ चंद्रा जोशी ने कहा कि संघ ने पंच परिवर्तन से समाज परिवर्तन का मंत्र दिया है जिन पर चल कर भारत 2047 तक विकसित राष्ट्र बनेगा। इस्कॉन के जय जगदीश प्रभुजी ने कहा कि आज देश ही विदेशों में भी हिंदुत्व की जय पताका फहर रही है।विश्व शांति के हिंदुत्व के विचार को आत्मसात कर रहा है।कार्यक्रम में संरक्षक हरीश पांडे जी, गिरीश तिवारी जी, अध्यक्ष रामलीला कमेटी मनोज तिवारी जी ,राजेश जोशी जी, धीरेन्द्र शर्मा जी, कौस्तुभानंद जोशी जी, पंकज खत्री जी, सतीश तिवारी जी, विपिन जोशी जी, राजेश अग्रवाल जी, डॉ भारत भूषण जी, रवि मेहरा जी ,अक्षय बल्यूटिया जी, उमेश जोशी जी, अधिवक्ता ललित जोशी, गिरीश लोहनी जी, ललित भट्ट जी, कमल किशोर जोशी जी,दिनेश फुलारा जी,मनोज रावत जी, कैलाश बेलवाल जी, भावना पोखरिया जी ,नीलम लोहनी जी,आशा खत्री जी,अंजू जोशी जी, पूनम जोशी जी, गीता उप्रेती जी, राधा तिवारी जी समेत अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे

देघाट पुलिस ने न्यायालय के वारंट में वांछित आरोपी को किया गिरफ्तार

अल्मोड़ा संवाददाता. न्यायालय से जारी गिरफ्तारी वारंटों की शत-प्रतिशत तामील के निर्देशों के क्रम में देघाट पुलिस ने एक वारंटी को गिरफ्तार किया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र पींचा के निर्देश, अपर पुलिस अधीक्षक हरबन्स सिंह के मार्गदर्शन और क्षेत्राधिकारी रानीखेत विमल प्रसाद के पर्यवेक्षण में यह कार्रवाई की गई। थानाध्यक्ष देघाट अजेन्द्र प्रसाद के नेतृत्व में पुलिस टीम ने शनिवार को फौजदारी वाद संख्या 61/23 में जारी गिरफ्तारी वारंट के तहत आरोपी मनमोहन सिंह, उम्र 47 वर्ष, पुत्र बचे सिंह, निवासी ग्राम तामाढोन, स्याल्दे, थाना देघाट, जिला अल्मोड़ा को उसके गांव तामाढोन से गिरफ्तार किया। आरोपी के विरुद्ध भारतीय दंड संहिता की धारा 452, 504, 506 और 509 के तहत मामला दर्ज है। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध आवश्यक वैधानिक कार्रवाई पूरी करते हुए आगे की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस कार्रवाई में अपर उपनिरीक्षक राजबीर सिंह, हेड कांस्टेबल सुरेन्द्र कुमार, हेड कांस्टेबल महेन्द्र कुमार और कांस्टेबल जगदीश सिंह शामिल रहे।

अंडमान-निकोबार के अनाम द्वीपों के नामकरण के लिए आमंत्रित किए गए सुझाव

अल्मोड़ा संवाददाता. अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के अनाम द्वीपों और चट्टानों के नामकरण की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। संस्कृति निदेशालय, उत्तराखंड शासन के निर्देश पर यह पहल की गई है, जिसके तहत जनसामान्य, शिक्षाविदों, इतिहासकारों और विभिन्न क्षेत्रों के गणमान्य व्यक्तियों से सुझाव मांगे गए हैं। क्षेत्रीय पुरातत्व अधिकारी चंद्र सिंह चौहान ने बताया कि प्रस्तावित नाम उत्तराखंड के प्रतिष्ठित व्यक्तित्वों, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, शहीदों, समाज सुधारकों, वैज्ञानिकों, कलाकारों, ऐतिहासिक घटनाओं अथवा राज्य से जुड़े विशिष्ट भौगोलिक और सांस्कृतिक स्थलों पर आधारित हो सकते हैं। नाम ऐसे हों, जो जनभावनाओं का प्रतिनिधित्व करें और उत्तराखंड के गौरव से जुड़े हों। उन्होंने बताया कि प्रत्येक प्रस्ताव के साथ संबंधित व्यक्ति, स्थान या घटना का लगभग 200 शब्दों में संक्षिप्त औचित्य प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। साथ ही, प्रस्ताव के समर्थन में आवश्यक सहायक दस्तावेज भी संलग्न किए जाने होंगे। चंद्र सिंह चौहान ने अल्मोड़ा जनपद के नागरिकों, सामाजिक संस्थाओं और बुद्धिजीवियों से अपील की है कि वे अपने सुझाव क्षेत्रीय पुरातत्व अधिकारी कार्यालय अथवा संस्कृति निदेशालय, उत्तराखंड, देहरादून को प्रेषित करें।

सितारगंज नगर में इस वर्ष 16.50 करोड़ की लागत से ड्रेनेज समस्या का होगा समाधान

-पालिकाध्यक्ष व वार्ड सभासदों ने बोर्ड के एक वर्ष की उपलब्धि यां गिनाई।

-कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा ने बोर्ड को विकास कार्यों के लिए दी बधाई।

-सितारगंज के विकास के लिए आगे भी मिलेगा सहयोग।

सितारगंज, संवाददाता. नगर पालिका बोर्ड के एक वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने पर आयोजित कार्यक्रम में पालिकाध्यक्ष सुखदेव सिंह व वार्ड सभासदों ने एक वर्ष का कार्यों का व्यौरा आमजन व जनप्रतिनिधियों के सम्मुख रखा। उन्होंने आगामी चार वर्षों में सितारगंज क्षेत्र को विकास की दृष्टि से अग्रणी नगरपालिका बनाने का आश्वासन दिया।पालिकाध्यक्ष सुखदेव सिंह ने अपने आवास में पत्रकारों से वार्ता करते हुए बताया कि एक वर्ष में नगरपालिका की ओर से 10.50 करोड़ की लागत से 203 निर्माण कार्य कराये। जिसमें 43 निर्माण अल्पसंख्यक समुदाय बाहुल्य क्षेत्रों में कराये। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष बरसात में सितारगंज में कहीं भी जलभराव से हानि नहीं हुई। पालिका की ओर से नालों, नालियों की लगातार तलाझाड़ सफाई अभियान चलाया गया। पालिका ने एक वर्ष में 1.80 करोड़ से शहर का विद्युतीकरण कराया। पालिकाध्यक्ष सुखदेव सिंह ने बताया कि कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा के प्रयासों से लोक निर्माण विभाग के साथ मिलकर नगर में ड्रेनेज व्यवस्था पर 16.50 करोड़ की लागत डीआपीआर तैयार की गयी। मंत्री सौरभ बहुगुणा ने इस योजना को मंजूरी दिलायी। भविष्य में सितारगंज नगरीय क्षेत्र में ड्रेनेज की समस्या व जाम की समस्या से काफी हद तक निजात मिलेगी। उन्होंने बताया कि एक वर्ष में 144 पात्रों को प्रधानमंत्री आवास योजना 103 शौचालयों का निर्माण कराया। कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा, भाजपा जिलाध्यक्ष कमल जिंदल ने पालिकाध्यक्ष के आवास पर पहुंचकर पालिका बोर्ड के सभासदों से मुलाकात कर एक वर्ष में उनके किये कार्यों के लिए सराहना की। मंत्री बहुगुणा ने कहा कि एकजुटता के साथ पालिका बोर्ड ने जनता की समस्याओं को सुनकर बोर्ड में मंजूरी दी। साथ ही लगातार उन्हें समस्याओं से अवगत कराया। जिससे वे समाधान करा पाये। भविष्य में भी समस्याओं का समाधान किया जायेगा।

ये रहे मौजूद। सभासद सतीश उपाध्याय, नाजरीन अंसारी, मो. इस्माइल, रिहान अंसारी, रवि रस्तोगी, चंदन श्रीवास्तव,महामंत्री अमित रस्तोगी, भोला जोशी, आदेया ठाकुर, पंकज रावत, अभिषेक जैन, सतेन्द्र दिवाकर, दया तिवारी

जाम से निजात के लिए एनएचएआई के अधिकारियों के साथ होगा निरीक्षण

सितारगंज। भाजपा जिलाध्यक्ष कमल जिंदल व पालिकाध्यक्ष सुखदेव सिंह ने बताया कि नगर को जाम से मुक्ति के लिए सीडीओ के नेतृत्व में विभिन्न विभागों के अफसरों के साथ तिरंगा चौक, बिजटी चौक, महाराणा प्रताप चौक, नकुलिया चौक का निरीक्षण किया गया है। जल्द ही एनएचएआई के अधिकारियों के साथ निरीक्षण कर चौराहों पर लगने वाले जामों से निजात दिलाया जायेगा। पालिकाध्यक्ष सुखदेव सिंह ने बताया कि सितारगंज में वैंडिंग जोन के लिए प्रशासन से भूमि मिली है। वैंडिंग जोन में सुविधायें व निर्माण के लिए भूमि पांच करोड़ की डीपीआर तैयार कर शासन को भेजी है। सीएम पुष्कर सिंह धामी व कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा से स्वीकृति के लिए अनुरोध किया गया है। वैंडिंग जोन का निर्माण होते ही फड़ खोखा व्यवसायियों को वैंडिंग जोन में शिफ्ट किया जायेगा। इससे भी जाम की समस्या से निजात मिलेगी।

हिन्दी दैनिक जोखिम

सांसद अजय भट्ट ने केंद्रीय बजट 2026-27 को लेकर प्रेस के माध्यम से अपना वक्तव्य जारी किया

हल्द्वानी संवाददाता. नैनीताल उधम सिंह नगर संसदीय क्षेत्र से सांसद अजय भट्ट ने केंद्रीय बजट 2026ख्27 को लेकर प्रेस के माध्यम से अपना वक्तव्य जारी किया। उन्होंने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व एवं केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत यह बजट आकांक्षाओं, आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास का बजट है, जो विकसित भारत के साथ-साथ सशक्त उत्तराखंड की दिशा में ऐतिहासिक कदम है।सांसद अजय भट्ट ने कहा कि केंद्रीय बजट 2026ख्27 "सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास" की भावना को सशक्त करता है। यह बजट देश की अर्थव्यवस्था, युवाशक्ति, किसान, मध्यम वर्ग, उद्योग और ग्रामीण भारत को नई गति देने वाला सिद्ध होगा। उन्होंने विशेष रूप से कहा कि यह बजट पर्वतीय राज्यों के समग्र विकास को नई मजबूती प्रदान करता है।उन्होंने बताया कि यह बजट केवल वर्तमान आवश्यकताओं तक सीमित नहीं है, बल्कि विकसित भारतख्2047 की मजबूत और टिकाऊ आधारशिला रखता है। सरकार के लिए विकास केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं, बल्कि आम नागरिक के जीवन में वास्तविक और सकारात्मक बदलाव लाने का माध्यम है।सांसद ने कहा कि यह बजट मध्यम वर्ग, करदाताओं और श्रमिकों के लिए राहत और सम्मान का बजट है। नवाचार, विनिर्माण और रोजगार को केंद्र में रखकर तैयार यह बजट देश की उत्पादकता क्षमता बढ़ाने के साथ-साथ स्थायी रोजगार के नए अवसर पैदा करेगा।उन्होंने बताया कि 12 लाख करोड़ रुपये से अधिक के पूंजीगत व्यय से यह स्पष्ट है कि सरकार इंफ्रास्ट्रक्चर को भविष्य की पीढ़ियों की शक्ति मानती है। सात नए कॉरिडोर, आधुनिक परिवहन नेटवर्क और

देहरादून महापंचायत के लिए कुमाऊं से जत्थे रवाना अंकिता मामले में न्याय की मांग तेज

रामनगर संवाददाता. अंकिता भंडारी प्रकरण में न्याय और कथित वीआईपी की गिरफ्तारी की मांग को लेकर 8 फरवरी को देहरादून के परेड ग्राउंड में आयोजित जन सम्मेलन में शामिल होने के लिए कुमाऊं क्षेत्र से बड़ी संख्या में लोग रवाना हुए। यह सम्मेलन "अंकिता न्याय यात्रा संयुक्त संघर्ष मंच" के आह्वान पर आयोजित किया जा रहा है। जानकारी के अनुसार उत्तराखंड परिवर्तन पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष पी सी तिवारी के केंद्रीय महासचिव प्रभात ध्यानी तथा सीएसटीयू से जुड़े प्रतिनिधियों के नेतृत्व में अल्मोड़ा रामनगर और रुद्रपुर से कार्यकर्ता और समर्थक देहरादून के लिए निकले। रवाना होने से पहले आयोजित बैठक में वक्ताओं ने कहा कि अंकिता भंडारी हत्याकांड केवल एक आपराधिक घटना नहीं बल्कि प्रदेश की अस्मिता से जुड़ा गंभीर मामला है। उन्होंने आरोप लगाया कि मामले में कथित वीआईपी की भूमिका सामने लाने और दोषियों को सख्त सजा दिलाने की दिशा में ठोस कार्रवाई आवश्यक है। वक्ताओं ने मांग उठाई कि पूरे प्रकरण की जांच सुप्रीम कोर्ट के किसी सिटिंग जज की निगरानी में सीबीआई से कराई जाए ताकि निष्पक्षता सुनिश्चित हो सके और किसी भी प्रभावशाली व्यक्ति को बचाने की गुंजाइश न रहे।

नगर पालिका प्रांगण में डॉक्टर अंबेडकर पार्क में एक कार्यक्रम आयोजित

रामनगर संवाददाता. माता रमाबाई अंबेडकर के जन्मदिन के अवसर पर डॉ अंबेडकर जयंती समारोह समिति के द्वारा नगर पालिका प्रांगण में डॉक्टर अंबेडकर पार्क में एक कार्यक्रम आयोजित किया जिसमें वक्ताओं ने उनके त्याग और बलिदान पर विशेष चर्चा की। उन्होंने कहा कि लोगो को चाहिए कि समाज के लिए इस प्रकार का त्याग और बलिदान करें। इस दौरान रेवी राम खेलिया,एड० विनोद अनजान,एस आर टम्टा,किशोरी लाल,प्रकाश शिल्पी,नवाब अहमद शाह,सगीर उद्दीन आदि मौजूद रहें।

एक युवती ने विषैले पदार्थ का सेवन किया

रामनगर संवाददाता. रामनगर में अज्ञात कारणों के चलते एक युवती ने विषैले पदार्थ का सेवन कर लिया।आनन फानन में परिजनों ने उपचार के लिए सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया है।कोतवाली के वरिष्ठ उप निरीक्षक महेंद्र प्रसाद ने बताया कि रामनगर निवासी अल्फीजा नाम की एक युवती ने विषैले पदार्थ का सेवन कर लिया था। सरकारी अस्पताल में भर्ती कर उसका उपचार चल रहा है। विषैला प्रदार्थ क्यों खाया है।इसकी जांच की जा रही है।

अध्यापिका से मंगलसूत्र लूटने का मामला सामने आया

रामनगर संवाददाता. रामनगर के ग्राम टांडा मल्लू क्षेत्र में एक महिला अध्यापिका से मंगलसूत्र लूटने का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार ग्राम टांडा मल्लू में अध्यापिका विजया लक्ष्मी सड़क किनारे पैदल जाते हुए चेन स्नैचर बाइक सवार दो युवकों ने गले से सोने का मंगल सूत्र लूट लिया लगभग चार तोले का मंगल सूत्र सोने का बताया जा रहा है। सूचना पर पुलिस घटना स्थल पर पहुंची और जांच पड़ताल शुरू कर दी।ये घटना सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है। पीरुमदारा पुलिस चौकी इंचार्ज वीरेंद्र सिंह बिष्ट ने बताया कि पीड़िता विजया लक्ष्मी ग्राम टांडा मल्लू की रहने वाली है और वह अध्यापिका है।वह टोटाम जिला अल्मोड़ा में एक स्कूल में पढ़ाती है। उन्होंने बताया कि जल्द ही आरोपी पुलिस की गिरफ्त में होंगे।उनको बक्शा नहीं जाएगा।

बुजुर्ग की धारदार हथियार से हमला कर निर्मम हत्या

चम्पावत संवाददाता. /चम्पावत जिले के खर्क बगड़ क्षेत्र में बुजुर्ग की धारदार हथियार से हमला कर निर्मम हत्या कर दी। दिनदहाड़े हुई इस वारदात ने पूरे इलाके में सनसनी फैलाकर गांववासियों को डर और दहशत में डाल दिया।जानकारी के अनुसार, टनकपुर निवासी 70 वर्षीय अंबादत्त खर्कवाल अपने घर खर्क बगड़ लौट रहे थे कि इसी दौरान पड़ोसी 40 वर्षीय सुभाष चंद्र खर्कवाल ने अचानक उन पर हमला कर दिया। आरोपी ने बुजुर्ग के सिर पर धारदार हथियार से वार किया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की प्रक्रिया शुरू कर दी। फिलहाल हत्या के पीछे के कारणों का पता नहीं चल पाया है।ग्रामीणों का कहना है कि आरोपी मानसिक रूप से अस्वस्थ बताया जा रहा है।

लालकुआं में दुग्ध उत्पादकों के लिए भव्य गोष्ठी का आयोजन

कार्यक्रम की अध्यक्षता दुग्ध संघ अध्यक्ष मुकेश बोरा ने की

हल्द्वानी संवाददाता. इस अवसर पर क्षेत्र की 7 दुग्ध समितियों से जुड़े 300 से अधिक दुग्ध उत्पादकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की और नई ऊर्जा के साथ भविष्य की दिशा तय की।गोष्ठी को संबोधित करते हुए मुकेश बोरा ने कहा कि दुग्ध विकास मंत्री सौरभ बहुगुणा के निर्देशानुसार राज्य सरकार दुग्ध उत्पादकों के हितों के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है।उन्होंने दुग्ध उत्पादकों को सरकार द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए अधिक से अधिक लाभ उठाने का आह्वान किया।इस मौके पर अधिक दुग्ध क्रय करने वाले 80 दुग्ध उत्पादकों को बोनस देकर सम्मानित किया गया।सम्मान समारोह के दौरान तालियों की गूंज और मुस्कानों की चमक ने कार्यक्रम स्थल को उम्मीदों की मंडी में बदल दिया।यह दृश्य बताता रहा कि मेहनत की कदर हो, तो किसान का हौसला कई गुना बढ़ जाता है।मुकेश बोरा ने कहा कि"दुग्ध संघ का उद्देश्य केवल दूध की मात्रा बढ़ाना नहीं,बल्कि हर दुग्ध उत्पादक को आर्थिक रूप से मजबूत और आत्मनिर्भर बनाना है।"गोष्ठी में दुग्ध उत्पादकों की समस्याओं, सुझावों और अपेक्षाओं पर भी खुलकर चर्चा हुईऔर शीघ्र समाधान का भरोसा दिया गया।कार्यक्रम में गहना, दरमोली, पोखरी, पंगराड़ी, भदोठी, शशबनी एवं अनूपरपा दुग्ध समितियों के अध्यक्ष-सचिवों के साथदुग्ध संघ के पदाधिकारी, कर्मचारी, जनप्रतिनिधि और ग्राम प्रधान मौजूद रहे।सामूहिक सहभागिता ने इस आयोजन को सिर्फ गोष्ठी नहीं, बल्कि किसानों के भविष्य का संवाद मंच बना दिया।कार्यक्रम में सामान्य प्रबंधक अनुराग शर्मा, प्रशासन/विपणन प्रबंधक संजय भाकुनी,पी एंड आई सुभाष बाबू, पूर्व विधायक भीमताल दान सिंह भंडारी,एफ.ओ. शांति कोरंगा, दीपक असगोला, हरीश आर्या,

पशु चिकित्सक बिमल भट्ट, महिला डेयरी प्रभारी गीता ओझा,मार्ग प्रभारी नीमा शाह, रेखा आर्या, ग्राम प्रधान सीमा आर्या,गोदावरी देवी (दरमोली), सुरेश चंद्र बहुगुणा, विनोद भट्ट,जिला पंचायत सदस्य ज्योति आर्या, ब्लॉक प्रमुख दीपक कुमार,भावना आर्या तथा के.डी. रुवाली सहित बड़ी संख्या में दुग्ध उत्पादक मौजूद रहे।

संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की जयंती सप्ताह पूरे प्रदेश में 31जनवरी से 7 फरवरी तक मनाई गई

हल्द्वानी संवाददाता. इस अवसर पर अनुसूचित मोर्चा जिलाध्यक्ष नैनीताल के नेतृत्व में आज गुरु रविदास की विचार गोष्ठी की गई । विचार गोष्ठी का प्रारंभ दीप प्रज्वलन से और पुष्पांजलि देकर किया गया गोष्ठी में अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष मुकेश कुमार मुख्य वक्ता के रूप में रहे । वक्त ने कहा कि उन्होंने समाज के कल्याण के लिए कार्य किया और उनके जीवन काल में उनकी घटनाओं के विषय में जानकारियां दी की किस प्रकार वह आध्यात्मिक के गुरु माने जाते हैं और अध्यात्म से ही उन्होंने ज्ञान प्राप्त किया और सभी समाज को एक करने की व्यवस्था बनाई । कई बातें उनके विषय में वक्त ने बताई ।अतिथि के रूप में दर्जा राज्य मंत्री दिनेश आर्य सुमित्रा प्रसाद संजीव कुमार मधुकर सूत्रीय प्रताप रैकवाल दिनेश सिंह उपस्थित रहे ।संचालन चंद्र प्रकाश आर्य भुवन आर्य ने कियापुष्पांजलि करने वालों में बॉबी आर्य आनंद आर्य गणेश आर्य योगेश राजोर भुवन आर्य नकुल देव पुरखीराम प्रतिभा जोशी गुंजन साधना मुद्रा मनराल डिप्टी गुरु रानी शांति भट्ट आदि कार्यकर्ता वह पदाधिकारी उपस्थित रहे ।

राजस्व वसूली और प्रमाणपत्र मामलों की प्रगति की समीक्षा

अल्मोड़ा संवाददाता. अपर जिलाधिकारी युक्ता मिश्र ने तहसीलदारों और नायब तहसीलदारों के साथ राजस्व वसूली कार्यों की विस्तृत समीक्षा बैठक की। कलेक्ट्रेट में आयोजित बैठक में तहसीलवार वसूली की प्रगति और लंबित वसूली प्रमाणपत्रों की स्थिति पर गहन चर्चा की गई। समीक्षा के दौरान चौखुटिया और अल्मोड़ा तहसील में अमीनों द्वारा निर्धारित मानकों से कम वसूली किए जाने पर अपर जिलाधिकारी ने संबंधित तहसीलदारों को अपने स्तर से प्रकरणों की समीक्षा कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

हिन्दी दैनिक जोखिम

सम्भागीय परिवहन कार्यालय हल्द्वानी का औचक निरीक्षण कर अधिकारियों को मौके पर दिये निर्देश

हल्द्वानी संवाददाता. जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल ने शनिवार को सम्भागीय परिवहन कार्यालय हल्द्वानी का औचक निरीक्षण कर अधिकारियों को मौके पर दिये निर्देश। आरटीओ कार्यालय में कोई भी एजेन्ट अधि कृत नहीं है कानून का उल्लघंन करने पर सम्बन्धित एजेन्ट के खिलाफ सुसंगत धाराओं में कानूनी कार्यवाही की जायेगी।

जिलाधिकारी ने परिवहन अधि कारियों को निर्देश दिये कि आरटीओ कार्यालय से जनहित कार्य किये जाते है जिसमें ड्राइविंग लाईसेंस रजिस्ट्रेशन, रिनुवल, मोटर व्हीकल आदि के कार्य किये जाते हैं जो सीधे तौर पर आमजनमास से जुड़े हैं। आरटीओ कार्यालय में इन कार्यों में बाहरी व्यक्तियों की संलिप्त पाये जाने पर नाराजगी व्यक्त की ऐसे व्यक्तियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही के निर्देश दिये। जिलाधिकारी ने संभागीय परिवहन अधिकारियों को निर्देश दिये कि भविष्य में सभी कर्मचारी ड्रैसकोड में आयेंगे तथा नेम प्लेट एवं आईकार्ड होना आवश्यक है, साथ ही जो

कर्मचारी जिस पटल पर कार्य कर रहे हैं उक्त पटल पर भी नेम प्लेट होना आवश्यक है। ताकि कार्यालय में आने वाले कार्मिक को सही जानकारी व सुविधा मिले। उन्होंने आरटीओ को निर्देश दिये कि कार्यालय की नियमित मानिटरिंग के साथ ही चौकिंग अभियान भी चलाया जाए। जिलाधिकारी ने निरीक्षण के दौरान निर्देश दिये कि इस सार्वजनिक कार्यालय में सीसीटीवी कैमरे चालू हालत में हों , शिकायत पेटी भी होना आवश्यक है साथ ही जो लोग दावा करते हैं कि शीघ्र कार्य कर दिया जायेगा इनके खिलाफ सुसंगत धाराओं में कार्यवाही भी करना सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने निरीक्षण के दौरान यह भी निर्देश दिये कि आरटीओ कार्यालय में मुख्य गेट पर एक फ्लेक्सी लगाई जाए, उक्त फ्लेक्सी में इस कार्यालय में सरकार द्वारा कोई भी एजेन्ट अधिकृत नहीं है और जो नागरिक सेवायें है निर्धारित दरों पर समयबद्ध तरीके से मिलती हैं, का अंकन होना अनिवार्य है। उन्होंने परिवहन अधि कारियों को समयबद्ध तरीके से सभी व्यवस्थाएं को दुरुस्त करने के निर्देश दिए। इस दौरान संभागीय परिवहन अधिकारी प्रवर्तन अरविंद पाण्डे एवं प्रशासन गुरुदेव सिंह सहित अन्य उपस्थित रहे।

लैंड फ्रॉड करने वालों के नाम रजिस्ट्री कार्यालय में चस्पा किये

हल्द्वानी संवाददाता. /लोगों के साथ लैंड फ्रॉड करने वाले धनंजय गिरी के खिलाफ आई.जी.कुमाऊं ने एस.आई.टी.गठित कर जांच शुरू करवा दी है। लैंड फ्रॉड करने वालों के नाम रजिस्ट्री कार्यालय में चस्पा किये गए हैं।हल्द्वानी के आई.जी.कैम्प कार्यालय में प्रेस वार्ता कर आई.जी.कुमाऊं रिद्धिम अग्रवाल ने बताया कि हल्द्वानी में 20 से अधिक पीड़ितों ने पुलिस को शिकायती पत्र देकर कहा कि उनके साथ धनंजय गिरी नामक ठेकेदार ने लैंड फ्रॉड किया है। ये सभी पीड़ित पिछले दो माह में शिकायत लेकर पहुंचे थे।आरोप लगाया कि धनंजय ने उन्हें प्रॉपर्टी दिखाकर रुपये लिए लेकिन प्रॉपर्टी नहीं सौंपी। आई.जी.ने बताया कि उनकी प्राथमिक जांच में पता चला कि वर्ष 2019 से अबतक धनंजय के खिलाफ धोखागडी के 9 मामले सामने आए हैं। टीम की जांच में हिला हवाली के चलते आई.ओ. एस.आई.अनिल को लापरवाही बरतने के लिए निलंबित किया गया।अब, नई एस. आई.टी.टीम का इंचार्ज एस.पी.हल्द्वानी मंनोज कत्याल को बनाया गया है। बताया कि अब टीम सक्रीय होकर धनंजय और उनकी टीम को गिरफ्तार कर पीड़ितों को राहत दिलाएगी। उन्होंने कहा कि जिसे भी ठेकेदार धनंजय ने ठगा है वो एस.पी.मंनोज कत्याल, एस.एस.पी. मंजूनाथ टी.सी.या उनके कार्यालय में संपर्क कर शिकायत दर्ज करा सकते हैं।आम लोगों को सचेत करते हुए आई.जी.ने कहा कि उन्होंने तहसील या रजिस्ट्रार कार्यालय से वैरिफिकेशन कराकर ही भूमि खरीदनी चाहिए, तांकि वो ठगी का शिकार न होएं। बताया कि धनंजय और उनके साथियों ने पिछले तीन वर्षों में 80 प्रॉपर्टी खरीदी, जो इनके नाम ट्रांसफर हुई हैं। अबतक की जांच में 10 करोड़ रुपये से अधिक का घोटाला सामने आया है। वो धनंजय गिरी का आपराधिक इतिहास भी खंगाल रही हैं।

शस्त्र लाइसेंसों को लेकर बड़ी और सख्त कार्रवाई

नैनीताल संवाददाता. /जिला प्रशासन ने शस्त्र लाइसेंसों को लेकर बड़ी और सख्त कार्रवाई की है। जिला मजिस्ट्रेट ललित मोहन रयाल ने राष्ट्रीय शस्त्र लाइसेंस पोर्टल के नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर जनपद के 35 शस्त्र

लाइसेंस निरस्त कर दिए हैं।जिला मजिस्ट्रेट ने जनपद के शस्त्र लाइसेंसों की समीक्षा के दौरान पाया कि संबंधित लाइसेंस धारकों द्वारा न्छ (यूनिक आइडेंटिफिकेशन नंबर) के तहत राष्ट्रीय शस्त्र लाइसेंस पोर्टल पर अनिवार्य पंजीकरण एवं डिजिटल रिकॉर्ड अद्यतन नहीं किया गया था। यह कार्रवाई केंद्र सरकार द्वारा लागू राष्ट्रीय शस्त्र लाइसेंस पोर्टल के दिशा-निर्देशों के तहत की गई है।डीएम ने बताया कि संबंधित शस्त्र लाइसेंस धारकों को समय-समय पर सूचना और पर्याप्त अवसर दिए गए थे, इसके बावजूद पोर्टल पर लाइसेंस का विवरण अपडेट नहीं किया गया। इसे शस्त्र अधिनियम एवं शासनादेशों का स्पष्ट उल्लंघन माना गया, जिसके चलते लाइसेंस निरस्त करने का निर्णय लिया गया।जिला मजिस्ट्रेट ललित मोहन रयाल ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि शस्त्र लाइसेंस कोई सामान्य अधिकार नहीं, बल्कि एक गंभीर कानूनी दायित्व है।

शराब सेवन से हुई दो मौतों के बाद नैनीताल जिला प्रशासन और आबकारी विभाग पूरी तरह अलर्ट

हल्द्वानी संवाददाता. /खटीमा में संदिग्ध शराब सेवन से हुई दो

मौतों के बाद नैनीताल जिला प्रशासन और आबकारी विभाग पूरी तरह अलर्ट मोड में आ गया है। जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल के निर्देशानुसार शुक्रवार को जिले के विभिन्न क्षेत्रों में आबकारी विभाग द्वारा नियमित प्रवर्तन एवं गुणवत्ता नियंत्रण अभियान के तहत शराब की दुकानों पर व्यापक छापेमारी की गई।6 फरवरी को अभियान के दौरान हल्द्वानी समेत जिले के अन्य क्षेत्रों में संचालित मदिरा दुकानों और थ्र्-2 (बार लाइसेंस) का निरीक्षण किया गया। टीम ने विभिन्न ब्रांड की मदिरा की उपलब्धता, भंडारण व्यवस्था, स्टॉक रजिस्टर, बिक्री प्रक्रिया और वैधता की गहन जांच की।उपभोक्ताओं की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए आबकारी विभाग ने विभिन्न मदिरा ब्रांड्स के नमूने विधिवत सील कर प्रयोगशाला जांच के लिए भेजे। पूरी कार्यवाही आबकारी अधिनियम एवं विभागीय दिशा-निर्देशों के तहत शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न की गई।आबकारी विभाग ने स्पष्ट किया है कि अवैध, मिलावटी अथवा संदिग्ध मदिरा के विक्रय पर शून्य सहनशीलता अपनाई जाएगी और आगे भी इस तरह के निरीक्षण एवं प्रवर्तन अभियान लगातार जारी रहेंगे।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 6 फरवरी की देर रात खटीमा कोतवाली क्षेत्र के कंजाबाग रोड पर शराब सेवन के बाद एक व्यक्ति की मौत और दो अन्य के गंभीर रूप से बीमार होने की सूचना मिली।कोतवाल विजेंद्र शाह के अनुसार, कंजाबाग निवासी डिल्लू राणा (52) को खटीमा उप जिला अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं सत्रहमील निवासी प्रवेश राणा और मलकीत सिंह राणा की हालत गंभीर होने पर उन्हें हायर सेंटर बरेली रेफर किया गया, जहां उपचार के दौरान मलकीत सिंह की भी मौत हो गई।

खटीमा उप जिला अस्पताल के चिकित्सक डॉ. वी.पी. सिंह ने बताया कि पीड़ितों से तीव्र मिथाइल अल्कोहल जैसे रसायन की गंध आ रही थी। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि गाड़ी में रखी एक बोतल में संदिग्ध रासायनिक तरल था, जिसे पानी समझकर शराब में मिलाकर पी लिया गया। फिलहाल पुलिस और प्रशासन पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर रहे हैं।

द्वाराहाट में बहुउद्देशीय शिविर आयोजित, 973 लोगों को मिला योजनाओं का लाभ

अल्मोड़ा संवाददाता. जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार कार्यक्रम के तहत विकासखंड द्वाराहाट की न्याय पंचायत धुंधली में बहुउद्देशीय शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विभिन्न विभागों की ओर से आमजन की समस्याओं के समाधान के साथ-साथ जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराया गया। शिविर के दौरान कुल 973 लाभार्थियों को अलग-अलग सरकारी योजनाओं से लाभान्वित किया गया। इस दौरान प्राप्त 158 शिकायतों में से 103 का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया, जबकि शेष शिकायतों को शीघ्र समाधान के लिए संबंधित विभागों को भेजा गया। शिविर में विभिन्न प्रमाणपत्रों से जुड़े 153 आवेदन भी मौके पर ही भरवाए गए, जिससे लोगों को विभागीय कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़े। अधि कारियों ने आमजन की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए त्वरित कार्रवाई का भरोसा दिलाया। स्थानीय लोगों ने शिविर की सराहना करते हुए इसे प्रशासन को जनता के करीब लाने की प्रभावी पहल बताया। कार्यक्रम का उद्देश्य प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सरल बनाते हुए पात्र लोगों तक योजनाओं का लाभ समय पर पहुंचाना है। शिविर में उपजिलाधिकारी सौम्या गर्ब्याल, खंड विकास अधिकारी संतोष जेठी सहित जनप्रतिनिधि, विभिन्न विभागों के अधिकारी और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

हिन्दी दैनिक जोखिम

अपने आप से लड़कर मैंने खुद को पाया है, मेधा राणा ने जिंदगी में आए बदलाव को किया साझा

फिल्मी दुनिया में कई कलाकार ऐसे होते हैं, जो कैमरे के सामने तो मजबूत दिखाई देते हैं, लेकिन उनके भीतर एक लड़ाई चल रही होती है। हाल ही में रिलीज हुई फिल्म बॉर्डर 2 के जरिए चर्चा में आई अभिनेत्री मेधा राणा भी उन्हीं कलाकारों में से एक हैं, जिन्होंने अपने अंदर चल रहे सवालों, असमंजस और आत्मसंदेह की जंग को जीतकर अपने ऊपर भरोसा करना सीखा और इस मुकाम तक का सफर तय किया। मेधा राणा ने कहा, साल 2022 से लेकर अब तक उनके भीतर सबसे बड़ा बदलाव आत्मस्वीकृति और आत्मविश्वास का रहा है। शुरुआत में मैं खुद को लेकर बहुत उलझन में रहती थीं। मुझे अक्सर लगता था कि शायद मैं इस इंडस्ट्री के लिए बनी ही नहीं हूं। ऐसे विचार मुझे भीतर से कमजोर बनाते थे और आगे बढने में बाधा भी बनते थे।उन्होंने कहा, जब मैंने मनोरंजन जगत में काम करना शुरू किया, तो शुरुआती दिन बेहद कठिन थे। मैं लगातार खुद पर शक करती थी और अपने फैसलों को लेकर आश्वस्त नहीं थी। इस असमंजस से बाहर निकलने में मुझे काफी समय लगा। इंडस्ट्री को समझना, अपने आप को पहचानना और हालात को स्वीकार करना एक लंबी सीख की प्रक्रिया रही।मेधा ने कहा, मैंने अपने आप से लड़कर खुद को पाया है। अब मैं खुद को पहले से ज्यादा स्वीकार करने लगी हूं। मैं अपनी कमियों और खूबियों दोनों को समझती हूं और उन्हें लेकर सहज हूं। यही स्वीकार्यता मेरे आत्मविश्वास की सबसे बड़ी वजह बनी है।मेधा राणा ने कहा, फिल्म बॉर्डर 2 मेरे करियर का एक अहम मोड़ साबित हुई है। इस फिल्म का हिस्सा बनने के बाद और दर्शकों से मिली प्रतिक्रिया ने मेरे भीतर एक नया भरोसा पैदा किया। जब किसी कलाकार को उसके काम के लिए सराहना मिलती है, तो वह खुद पर यकीन करने लगता है। बॉर्डर 2 के अनुभव ने मुझे यह एहसास दिलाया कि मैं अपने हुनर में सक्षम हूं और मेहनत रंग ला सकती है।उन्होंने कहा, अब मैं खुद को लेकर ज्यादा आश्वस्त महसूस करती हूं। अपने अभिनय कौशल और फैसलों पर मेरा भरोसा बढ़ा है। यह आत्मविश्वास मेरे जीवन की अब तक की सबसे बड़ी ग्रोथ है, जो मुझे आगे और बेहतर काम करने की प्रेरणा देता है।

अब बड़े पर्दे पर दहाड़ेंगे कालीन भैया, भौकाली अंदाज में होगी मुन्ना-गुड्डू की वापसी, मिर्जापुर: द मूवी की रिलीज तारीख जारी

शमिर्जापुर उन चुनिंदा वेब सीरीज में शामिल है, जिसने ओटीटी प्लेटफॉर्म पर कदम रखते ही दर्शकों के बीच जबरदस्त सनसनी फैला दी और तगड़ा फैन बेस बना लिया। गालियों से भरे डायलॉग्स, सत्ता की अंधी भूख, खून-खराबे और बेहद दमदार किरदारों ने इस शो को कुछ ही समय में एक कल्ट पहचान दिला दी। हर सीजन के साथ इसकी लोकप्रियता लगातार बढ़ती गई और ओटीटी पर इसने रिकॉर्डतोड़ व्यूअरशिप हासिल की। दर्शकों के इस अपार प्यार और क्रेज को देखते हुए अब मेकर्स ने शमिर्जापुर्र की कहानी को बड़े पर्दे पर लाने का बड़ा फैसला लिया है। बहुत जल्द शमिर्जापुर: द फिल्म्र सिनेमाघरों में रिलीज होकर वही भौकाल मचाने वाली है, जिसके लिए यह सीरीज जानी जाती है। अब मेकर्स ने इसकी रिलीज डेट का भी ऐलान कर दिया है।अमेजन एमजीएम स्टूडियोज और एक्सल एंटरटेनमेंट की सबसे बड़ी और फैन-फेवरेट फ्रैंचाइजी शमिर्जापुर्र को पहली बार सिनेमाघरों में ला रहे हैं। यह फिल्म मिर्जापुर यूनिवर्स की एक अनसुनी कहानी दिखाएगी। एक्सल एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनी इस फिल्म को रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर ने प्रोड्यूस किया है, जबकि कासिम जगमगिया और विशाल रामचंदानी को-प्रोड्यूसर हैं। फिल्म का निर्देशन गुरमीत सिंह ने किया है। भारत की सबसे आइकॉनिक ओटीटी फ्रैंचाइजी अब बड़े पर्दे पर आने के लिए तैयार है। मेकर्स ने आज मिर्जापुर: द मूवी की थिएट्रिकल रिलीज डेट का ऐलान कर दिया है। ये फिल्म 4 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।फिल्म दर्शकों को उसी रॉ और दमदार दुनिया में ले जाएगी, लेकिन इस बार पहले से कहीं ज्यादा बड़े स्केल पर। पंकज त्रिपाठी के कालीन भैया, अली फजल के गुड्डू पंडित के साथ-साथ दिव्येंदु के मुन्ना भैया की भी बहुप्रतीक्षित वापसी हो रही है। पहली बार मिर्जापुर की कल्ट कहानी सिनेमाघरों में उतरेगी और इस तरह से अपने फैंस को एक जबरदस्त बिग-स्क्रीन अनुभव देने वाली है। फिल्म में इसके अलावा जितेंद्र कुमार, रवि किशन, अभिषेक बनर्जी, रसिका दुग्गल, श्वेता त्रिपाठी, श्रिया पिलगांवकर, हर्षिता गौर, सुशांत सिंह, मोहित मलिक, शीबा चड्ढा, राजेश तैलंग, कुलभूषण खरबंदा और सोनल चौहान जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। अमेजन एमजीएम स्टूडियोज और एक्सल एंटरटेनमेंट द्वारा प्रस्तुत, एक एक्सल एंटरटेनमेंट प्रोडक्शन शमिजार्पुर: द मूव्री का निर्देशन गुरमीत सिंह ने किया है और कहानी पुनीत कृष्णा ने लिखी है। यह फिल्म 4 सितंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। फिल्म की कहानी को लेकर फिलहाल मेकर्स ने कोई ठोस जानकारी साझा नहीं की है। हालांकि इंडस्ट्री से जुड़ी रिपोर्ट्स की मानें तो यह प्रोजेक्ट या तो वेब सीरीज की शुरुआत की कहानी यानी प्रीक्वल हो सकता है या फिर उसी टाइमलाइन में घटने वाली किसी बेहद अहम घटना पर आधारित होगा। इतना तय माना जा रहा है कि फिल्म का स्केल सीरीज के मुकाबले कहीं ज्यादा बड़ा और भव्य होगा। सत्ता की जंग, खून-खराबा और मिर्जापुर की गद्दी के लिए एक नया, पहले से ज्यादा खतरनाक खेल दर्शकों को देखने को मिल सकता है। बड़े पर्दे के लिए मिर्जापुर की दुनिया को और भी रॉ, इंटेंस और सिनेमैटिक अंदाज में पेश करने की पूरी तैयारी की जा रही है।

बॉर्डर 2 के आगे रानी मुखर्जी की मर्दानी 3 बटोर रही जमकर नोट, 25 करोड़ी बनने से रह गई इंचभर दूर

रानी मुखर्जी की लेटेस्ट रिलीज एक्शन थ्रिलर फिल्म मर्दानी 3 बॉक्स ऑफिस पर ठीक परफॉर्म कर रही है. ओपनिंग वीकेंड पर धुआंधार कलेक्शन करने के बाद अब ये वीकडेज में भी टिकट खिड़की पर अपनी पकड़ मजबूत बनाए हुए है. यहां तक कि बॉर्डर 2 जैसी बड़ी फिल्म का भी ये डटकर मुकाबला रही है. चलिए यहां जानते हैं इस फिल्म ने रिलीज के छठे दिन कितनी कमाई की है?मर्दानी 3 रानी मुखर्जी की हिट फ्रैंचाइजी मर्दानी की तीसरी इंस्टॉलमेंट है. इस फिल्म ने 4 करोड़ से शुरुआत की थी फिर दूसरे वीकेंड पर इसने अच्छी ग्रोथ दिखाते हुए जहां शनिवार को 6.25 करोड़ कमाए तो वहीं रविवार को तीसरे दिन इस एक्शन थ्रिलर की कमाई 7.25 करोड़ रुपये रही. वहीं वीकडेज में इसकी कमाई में गिरावट देखी गई और इसने सोमवार को यानी चौथे दिन 2.25 करोड़ कमाए. इसके बाद मंगलवार को टिकटों में छूट के कारण इसकी कमाई में मामूली सुधार देखने को मिला और इसने 2.6 करोड़ का कारोबार कियावहीं अब सैकनिल्क के आंकड़ों के मुताबिक मर्दानी 3 ने रिलीज के छठे दिन यानी बुधवार को 2 करोड़ की कमाई की है. इसी के साथ मर्दानी 3 की 6 दिनों की कुल कमाई अब 24. 25 करोड़ रुपये हो गई है.मर्दानी 3 ने रिलीज के 6 दिनों में 24 करोड़ से ज्यादा की कमाई कर ली है. 75 लाख और कमाते ही ये 25 करोड़ी बन जाएगी. गुरुवार को फिल्म इस आंकड़े को हर हाल में पार कर जाएगी. वहीं दूसरे वीकेंड तक फिल्म के 30 करोड़ी बनने की उम्मीद है.रिपोर्ट्स के मुताबिक मर्दानी 3 60 करोड़ के बजट में बनी है. मेकर्स ने फिल्म की 38त्न से ज्यादा लागत वसूल कर ली है. हालांकि रानी मुखर्जी की फिल्म को सेफ जोन में पहुंचने के लिए अभी भी 37.60 करोड़ और कमाने होंगे. लेकिन फिल्म के पास वक्त कम है क्योंकि वैलेंटाइन डे पर नई फिल्में रिलीज होंगी, और मुकाबला सिर्फ सबसे मजबूत के बीच होगा. ऐसे में इस फिल्म के लिए अपनी 60 करोड़ की लागत वसूलना मुश्किल लग रहा है.

चाहत पांडे ने ओटीटी की दुनिया में रखा कदम, हसरतें सीजन 3 में निभाया चुनौतीपूर्ण किरदार

टीवी और रियलिटी शो की दुनिया में अपनी पहचान बना रही एक्ट्रेस चाहत पांडे ने ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी डेब्यू किया है। हंगामा ओटीटी पर रिलीज हुई नई वेब सीरीज हसरतें सीजन 3 में उन्होंने एक चुनौतीपूर्ण किरदार निभाया है। उनका किरदार कई मायनों में महिलाओं की जटिल भावनाओं, उनकी इच्छाओं और उनके संघर्ष को बयां करता है। सीरीज के नए एपिसोड नया किराएदार में चाहत पांडे ने स्मिता नाम की गृहिणी की भूमिका निभाई है। स्मिता एक ऐसी महिला है, जो अपने पति के अचानक गायब होने के बाद अकेली और भावनात्मक रूप से असुरक्षित महसूस करती है। उसे अपनी दबंग सास के साथ रहना पड़ता है, जिससे उसके जीवन में दबाव और भी बढ़ जाता है। समाज की निगाहें, ऑफिस में हो रहे उत्पीडन और अपनी अधूरी इच्छाओं को दबाने की मजबूरी ने उसकी जिंदगी को थमा दिया है। लेकिन कहानी में बदलाव तब आता है, जब उसके घर में समर्थ नाम का एक युवा म्यूजिशियन किरायेदार बनकर आता है। उनकी बढ़ती दोस्ती स्मिता के भीतर छिपी हुई भावनाओं को फिर से जागृत करती हैजैसे-जैसे स्मिता समर्थ के करीब जाने लगती है, अचानक उसके पति की वापसी हो जाती है। स्मिता को अब यह तय करना होता है कि वह समाज की बनाई गई मर्यादाओं और पारिवारिक जिम्मेदारियों में बंधी रहे या अपनी खुशी और व्यक्तिगत स्वतंत्रता को चुनेयह कहानी दर्शकों को यह सोचने पर मजबूर करेगी कि कभी-कभी जीवन में अपनी खुशी चुनना गुनाह नहीं, बल्कि जीवित रहने का तरीका हैचाहत पांडे ने अपने किरदार को लेकर कहा, स्मिता मेरे करियर का सबसे चुनौतीपूर्ण किरदार है। स्मिता ऐसी महिला है, जिसे बचपन से सिखाया गया कि उसे अपने दर्द और अधूरी इच्छाओं को कभी व्यक्त नहीं करना है। पति के गायब होने के बाद समाज उसे और भी सख्ती से नियंत्रित करने लगता है। इस किरदार के जरिए मैंने यह दिखाने की कोशिश की कि जब एक महिला अपनी आवाज सुनती है, तो उसके जीवन में कितना बड़ा बदलाव आ सकता है। चाहत ने आगे कहा, स्मिता की कहानी उसके अधिकारों को वापस पाने और यह स्वीकार करने की कहानी है कि अपनी खुशी चुनना कोई अपराध नहीं है।

हिन्दी दैनिक जोखिम

एनएचपीसी बनबसा सभागार में मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में बजट-पूर्व संवाद कार्यक्रम सम्पन्न

-जनभागीदारी, आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था और संतुलित विकास पर हुआ व्यापक मंथन

चम्पावत संवाददाता. एनएचपीसी बनबसा सभागार में माननीय मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में आयोजित बजट-पूर्व संवाद कार्यक्रम में राज्य के समग्र विकास, आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था तथा जनभागीदारी को केंद्र में रखते हुए व्यापक विचार-विमर्श किया गया। कार्यक्रम का संचालन अपर सचिव माननीय मुख्यमंत्री मनमोहन मैनाली द्वारा किया गया। इस अवसर पर सचिव वित्त दिलीप जावलकर ने राज्य की आर्थिक प्रगति पर प्रकाश डालते हुए बताया कि पिछले पाँच वर्षों में उत्तराखण्ड के कैपिटल आउटले में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और यह राशि ₹7,534 करोड़ से बढ़कर ₹14,765 करोड़ तक पहुँच गई है। इसी अवधि में राज्य की जीडीपी वर्ष 2021-22 के ₹2,54,000 करोड़ से बढ़कर वर्तमान में ₹4,74,000 करोड़ हो गई है, जो लगभग 60 प्रतिशत वृद्धि को दर्शाती है। इसे राज्य की अर्थव्यवस्था के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। संवाद कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों से आए जनप्रतिनिधियों, विभागीय अधिकारियों, विशेषज्ञों तथा हितधारकों ने अपने सुझाव प्रस्तुत किए। ग्रामीण विकास को गति देने के लिए अनुदान में वृद्धि, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने, सीवर लाइन एवं शौचालय निर्माण, पंचायतों को सशक्त बनाने हेतु रिक्त भूमि के उपयोग तथा जिला पंचायत सदस्यों के लिए मानदेय एवं अध्ययन भ्रमण की व्यवस्था जैसे सुझाव दिए गए। शहरी विकास के अंतर्गत नगर निकायों के बजट और संसाधनों में वृद्धि, पर्यावरण संरक्षण के लिए सोलर पैनल स्थापना, सड़कों और नालियों के बेहतर रखरखाव तथा रजिस्ट्री शुल्क का आंशिक हिस्सा नगर निगमों को उपलब्ध कराने के सुझाव रखे गए। कृषि एवं उद्यान क्षेत्र में बागवानी और वैल्यू क्रॉप्स को बढ़ावा देने, कीवी और ब्लूबेरी जैसे फलों के उत्पादन को प्रोत्साहित करने,

पोस्ट-हार्वेस्ट प्रबंधन और प्रोसेसिंग पर ध्यान केंद्रित करने, किसानों तथा विभागीय कार्मिकों के तकनीकी प्रशिक्षण, दूरस्थ क्षेत्रों के कृषकों को विशेष सहायता तथा फल उत्पादन सब्सिडी को 30 प्रतिशत से बढ़ाकर 80 प्रतिशत किए जाने के सुझाव सामने आए। उद्योग विकास के अंतर्गत पर्वतीय क्षेत्रों में उपलब्ध खाली भूमि पर उद्योग स्थापित कर स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन एवं पलायन रोकने, एमएसएमई को वित्तीय सहायता, सेवा क्षेत्र आधारित उद्योगों को बढ़ावा तथा औद्योगिक आधारभूत संरचना को मजबूत करने पर बल दिया गया। महिला सशक्तिकरण के लिए प्रत्येक जनपद में प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करने, महिलाओं को ब्याज-मुक्त ऋण उपलब्ध कराने तथा अस्पतालों की कैंटीन जैसी सेवाओं में महिलाओं को प्राथमिकता से रोजगार देने के सुझाव प्रस्तुत किए गए। पर्यटन क्षेत्र में हैली सेवा का विस्तार, वैकल्पिक मार्गों का निर्माण, सस्टेनेबल टूरिज्म को बढ़ावा, छोटे पर्यटन स्थलों का विकास, नेचर टूरिज्म एवं ट्रैकिंग को प्रोत्साहन तथा एग्री-टूरिज्म के माध्यम से स्थानीय समुदाय को पर्यटन से जोड़ने की बात कही गई। इसके अतिरिक्त राज्य में सड़क निर्माण एवं चौड़ीकरण, ऊर्जा संकट के समाधान हेतु ऊर्जा नेटवर्क सुदृढ़ीकरण, कृषि आधारित उद्योगों पर जीएसटी में कमी, मंडी शुल्क में कमी, ऐतिहासिक स्थलों के संरक्षण एवं सौंदर्यीकरण, नगर निकायों को अधिक संसाधन उपलब्ध कराने तथा जिला पंचायतों को विकास कार्यों के लिए पर्याप्त बजट देने जैसे सुझाव भी प्राप्त हुए।

मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि राज्य सरकार महिलाओं की सुरक्षा और स्वच्छता को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक गाँव में पिंक टॉयलेट जैसी सुविधाओं की दिशा में कार्य करेगी। उन्होंने वर्ष 2047 तक उत्तराखण्ड को हर क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के संकल्प को दोहराते हुए कहा कि छोटा राज्य होने के बावजूद उत्तराखण्ड ने वित्तीय प्रबंधन में देशभर में अग्रणी स्थान प्राप्त किया है, जो गर्व का विषय है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए आश्वस्त किया कि प्राप्त सुझावों का गंभीरता से परीक्षण कर उन्हें आगामी बजट में यथासंभव सम्मिलित किया जाएगा, ताकि राज्य का संतुलित, समावेशी और सतत विकास सुनिश्चित हो सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बजट राज्य की दिशा तय करता है और यह नागरिकों की सहभागिता से ही प्रभावी बनता है। प्रत्येक वर्ग की अपेक्षाओं को ध्यान में रखते हुए सरकार निर्णय ले रही है। उन्होंने सभी से आग्रह किया कि जिनके सुझाव अभी प्राप्त नहीं हुए हैं, वे भी अपने विचार प्रेषित करें, ताकि सभी की आवश्यकताओं पर ध्यान दिया जा सके। उन्होंने कहा रजत जयंती वर्ष में राज्य ने अनेक उपलब्धियाँ हासिल की हैं और अब नए संकल्प के साथ विकसित उत्तराखण्ड की दिशा में आगे बढ़ना है।

संक्षिप्त समाचार...

सीआईडी को सिखाया एआई से करें करें अपराध का खुलासा

देहरादून संवाददाता. उत्तरांचल विवि के इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी की ओर से शनिवार को सीआईडी मुख्यालय सीमाद्वार में एआई आधारित विशेष प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें अधिकारियों और कर्मचारियों को अपराधों की जांच और खुलासे में एआई के उपयोग के बारे में विस्तार से बताया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य आधुनिक अपराध अनुसंधान में एआई आधारित तकनीकों के माध्यम से कार्यकुशलता, सटीकता एवं गति को बढ़ाना रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ विवि प्रो. सुमित चौधरी और अपर पुलिस अधीक्षक मनोज ठाकुर ने किया। प्रो. चौधरी ने कानून प्रवर्तन में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की बढ़ती भूमिका के बारे में बताते हुए कहा कि डेटा एनालिटिक्स, मशीन लर्निंग, फेसियल रिकग्निशन एवं प्रेडिक्टिव पुलिसिंग जैसी तकनीकें अपराध अनुसंधान को अधिक प्रभावी बना सकती हैं।उन्होंने तकनीकी नवाचारों को अपनाने एवं डिजिटल कौशल विकसित करने पर बल दिया। कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता मानव विवेक का स्थान नहीं लेती, बल्कि यह जांच अधिकारियों के लिए एक सशक्त सहायक उपकरण है, जो निर्णय प्रक्रिया को अधिक सटीक एवं समयबद्ध बनाता है।

जनपद स्तरीय इंस्पायर अवार्ड प्रतियोगिता 9 व 10 फरवरी को

देहरादून संवाददाता. जनपद स्तरीय इंस्पायर अवार्ड प्रतियोगिता 9 एवं 10 फरवरी को गुरु राम राय लक्ष्मण इंटर कॉलेज परिसर में आयोजित की जाएगी। आयोजन को लेकर शनिवार को गुरु राम राय लक्ष्मण इंटर कॉलेज, देहरादून में मुख्य शिक्षा अधिकारी विनोद कुमार ढोंडियाल की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रतियोगिता की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा करते हुए आयोजन को सफल बनाने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।बैठक में जनपद समन्वयक सुधीर कांति ने जानकारी दी कि इंस्पायर अवार्ड प्रतियोगिता (बैच 2024-25) के अंतर्गत जनपद से चयनित कुल 235 छात्र-छात्राएँ प्रतिभाग करेंगे।उन्होंने बताया कि जनपद के छह विकासखंडों से चयनित विद्यार्थी अपने नवाचार, वैज्ञानिक सोच पर आधारित मॉडल एवं प्रोजेक्ट प्रस्तुत करेंगे। इन मॉडलों का मूल्यांकन नेशनल इनोवेशन फाउंडेशन की विशेषज्ञ टीम द्वारा किया जाएगा।

टनकपुर शारदा घाट में माघ खिचड़ी भोज व खड़ी होली में मुख्यमंत्री धामी की सहभागिता

माघ खिचड़ी भोज कार्यक्रम में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सहभाग कर प्रदेश की समृद्ध लोक संस्कृति से जुड़ाव का संदेश दिया। मुख्यमंत्री ने श्रद्धालुओं को स्वयं प्रसाद वितरित किया तथा स्थानीय नागरिकों के साथ बैठकर माघ खिचड़ी प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने स्थानीय महिलाओं के साथ कुमाऊँ की प्राचीन लोक परंपरा "खड़ी होली" में भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा में घेरा बनाकर खड़े होकर कुमाऊँनी लोकगीत गाए, जिनमें मुख्यमंत्री ने भी स्वर मिलाया। ढोल-दमाऊँ और लोकधुनों की मधुर लय पर पूरा वातावरण भक्ति, उल्लास और सांस्कृतिक गौरव से ओतप्रोत हो उठा। टनकपुर की गलियों में गूंजती खड़ी होली ने कुमाऊँ की जीवंत लोक परंपराओं की सुंदर झलक प्रस्तुत की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि माघ मास श्रद्धा, सादगी, संयम और समरसता का प्रतीक है। खिचड़ी भोज जैसी परंपराएँ समाज को एक सूत्र में बांधती हैं, वहीं खड़ी होली जैसी लोक विधाएँ हमें अपनी जड़ों, संस्कृति और विरासत से जोड़ती हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी परंपराएँ सामाजिक एकता को सुदृढ़ करती हैं और नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक पहचान से परिचित कराती हैं।

ऑल इंडिया सीनियर रैंकिंग बैडमिंटन में उत्तराखंड के शटलरों ने जीते तीन पदक

देहरादून संवाददाता. कर्नाटक के बंगलौर में 31 जनवरी से 7 फरवरी तक आयोजित योनेक्स सनराइज ऑल इंडिया सीनियर रैंकिंग बैडमिंटन टूर्नामेंट में उत्तराखंड के शटलरों ने बेहतर खेल प्रदर्शन कर एक स्वर्ण पदक और दो कांस्य पदक झटके। प्रतियोगिता में अल्मोड़ा की अदिति भट्ट ने अपनी जोड़ीदार महाराष्ट्र की शरवनी वालेकर के साथ खेलते हुए टूर्नामेंट की नंबर वन जोड़ी अमुरथा पी (कर्नाटक) तथा लक्षिता श्रीवास्तव (दिल्ली) की जोड़ी को 21-9,21-13 से पराजित कर महिला डबल्स में स्वर्ण पदक का खिताब जीता। अल्मोड़ा के ही पांडेखोला निवासी ध्रुव रावत ने दिल्ली की जैनिथ अविगैल के साथ जोड़ी बनाते हुए सेमीफाइनल तक अपना स्थान बनाया, जहां उन्हें दिल्ली के निमित्त कुमार और लक्षिता श्रीवास्तव से एक कड़े मुकाबले में 21-19,19-21,20-22 से पराजित होना पड़ा और उन्हें मिक्स डबल्स में कांस्य पदक मिला।

स्वामी, प्रकाशक एवम मुद्रक संजीव पंत द्वारा 19.सी, सुभाष रोड, पैसेफिक होटल के पीछे डूंगा हाउस देहरादून से प्रकाशित एवं चिराग पब्लिकेशन्स डी-2, शिवलोक कालोनी लाडपुर, ब्लॉक रायपुर काली मन्दिर के पास, देहरादून से मुद्रित। सम्पादक - संजीव पंत , फोन नं0- 0135-2712118 , प्रसार प्रबंधकः वसीम अहमद , आर एन आई नं.: UTTHIN/2010/33537 email: jokhimdehradun2006@gmail.com